उत्कृष्ट पुलिस थानें 2022

आज़ादी का अमृत महोत्सव

सत्यमेव जयते

भारत सरकार

गृह मंत्रालय

उत्कृष्ट पुलिस थानें 2022

आज़ादी का अमृत महोत्सव

सत्यमेव जयते

भारत सरकार

गृह मंत्रालय

अमित शाह

सत्यमेव जयते

गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री
भारत सरकार

संदेश

"आज़ादी का अमृत महोत्सव" काल में, यह स्पष्ट है कि भारत ने "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए खुद को एक मजबूत लोकतांत्रिक राष्ट्र के रूप में स्थापित किया है। एक कुशल पुलिस प्रणाली आंतरिक सुरक्षा बनाए रखने और नागरिकों के वैध अधिकारों की रक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह इस तथ्य पर निर्भर करता है कि पुलिस बल अत्याधुनिक उपकरणों से लैस है, उनके बुद्धिमान कौशल को बढ़ाया जाता है, और प्रशिक्षण इस तरह से दिया जाता है ताकि उनमें नागरिक केंद्रित दृष्टिकोण विकसित किया जा सके। मेक इन इंडिया के तहत सरकार "आत्मनिर्भर भारत" बनाने का प्रयास कर रही है। पुलिस बल को अत्याधुनिक उपकरणों से लैस करने और वर्तमान चुनौतियों से निपटने के लिए उन्हें तकनीकी जानकार बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

पुलिस थाना नागरिकों के लिए संपर्क के पहले बिन्दुओं में से एक हैं और इसलिए पुलिस थाना नागरिको के अनुकूल होना चाहिए। पुलिस थानों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा लाने के लिए गृह मंत्रालय द्वारा वार्षिक रैंकिंग आयोजित की जाती है। यह देखा गया है कि शीर्ष क्रम के अधिकांश पुलिस थाने छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित हैं। यह स्पष्ट रूप से इंगित करता है कि संसाधनों की उपलब्धता के महत्व के अलावा, अपराध को रोकने और नियंत्रित करने और समाज की सेवा करने के लिए हमारे पुलिस कर्मियों का समर्पण और ईमानदारी भी अधिक महत्वपूर्ण है।

मैं, राज्य सरकारों का सर्वेक्षण के सुचारू संचालन के सहयोग के लिए आभार प्रकट करता हूँ। मैं चयनित पुलिस थानों के प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारियों को उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण के लिए इस सर्वेक्षण के पूरा होने पर हार्दिक बधाई देता हूं। मुझे विश्वास है कि ये समस्त पुलिसकर्मी इसी भावना के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते रहेंगे और पुलिस बलों के सभी सदस्यों के लिए एक उज्ज्वल उदाहरण बनेंगे।

(अमित शाह)

कार्यालय : गृह मंत्रालय, नॉर्थ ब्लाक, नई दिल्ली-110001
दूरभाष : 23092462, 23094686, फैक्स : 23094221
ई-मेल : hm@nic.in

नित्यानन्द राय
NITYANAND RAI

सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

गृह राज्य मंत्री
भारत सरकार
नार्थ ब्लाक, नई दिल्ली – 110001

**MINISTER OF STATE FOR
HOME AFFAIRS
GOVERNMENT OF INDIA
NORTH BLOCK,
NEW DELHI - 110001**

संदेश

भारत में एक सुदृढ़ पुलिस व्यवस्था है, हालांकि, यह भी सच है कि निरंतर सुधार की संभावना होती है। पुलिस की कार्यप्रणाली में सुधार लाने के लिए यह एक सतत प्रयास है। जैसा कि भारत अपनी स्वतंत्रता के 75वें वर्ष का जश्न मना रहा है, पुलिस की भूमिका सरकार के सबसे महत्वपूर्ण इंटरफेस में से एक बन गई है।

पुलिस थानों की रैंकिंग की वार्षिक कवायद का उद्देश्य, थानों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा लाना और उन्हें पुलिस थानों के कामकाज में अधिक दक्षता लाने और उनके प्रदर्शन में सुधार करने के लिए प्रेरित करना है। थानों की रैंकिंग के लिए पुलिस थानों में बुनियादी ढांचे, अपराध की रोकथाम, नागरिकों की प्रतिक्रिया आदि को ध्यान में रखा जाता है। इससे पुलिस बल भी नागरिक केंद्रित हो जाता है। रैंकिंग अभ्यास जिम्मेदार और जवाबदेह पुलिस बल के निर्माण में भी मदद करता है, जो सुशासन का अभिन्न अंग है। इस तरह की रैंकिंग पुलिस थानों के स्तर पर भौतिक बुनियादी ढांचे, संसाधनों और कमियों की स्थिति की तस्वीर भी पेश करती है। उनकी प्रतिक्रियाएं राष्ट्रीय/राज्य स्तर पर नीति निर्माण में महत्वपूर्ण इनपुट प्रदान करेंगी।

मैं शीर्ष क्रम के पुलिस थानों के सभी अधिकारियों को बधाई देता हूं और आशा करता हूं कि हमारे देश के सभी पुलिस स्टेशन उनके उदाहरण का अनुकरण करेंगे और पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ देश की सेवा में योगदान देंगे।

(नित्यानन्द राय)

नई दिल्ली ।
अक्तूबर, 2022

Office Tel. : 011-23092870, 23092595, Fax No. : 011-23094896

अजय भल्ला, भा.प्र.से.
AJAY BHALLA, IAS

सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

गृह सचिव
Home Secretary
भारत सरकार
Government of India
नॉर्थ ब्लॉक/North Block
नई दिल्ली/New Delhi

संदेश

भारत की पुलिस व्यवस्था में तीव्र गामी विश्व में कई सुधार हुए हैं । बुनियादी ढाँचे और दृष्टिकोण में पुलिस बलों का आधुनिकीकरण सरकार की प्राथमिकता रही है। देश भर के पुलिस थानों का वार्षिक मूल्यांकन न केवल हमारे पुलिस कर्मियों की कड़ी मेहनत को पहचानता है बल्कि पुलिसिंग के कई पहलुओं पर प्रतिक्रिया भी प्रदान करता है।

2. वार्षिक सर्वेक्षण की कवायद सीसीटीएनएस डेटाबेस के व्यापक उपयोग और तीसरे पक्ष की एजेंसी द्वारा किए गए ज़मीनी सर्वेक्षण द्वारा की गई है। महिलाओं और कमजोर वर्गों के खिलाफ अपराध, संपत्ति अपराधों और लापता व्यक्तियों के मामलों के आधार पर पुलिस थानों को चुना गया है। कुछ अपराध और प्रदर्शन आधारित मापदंडों पर किए गए आंकलन में पुलिस थानों का बुनियादी ढांचा और नागरिक प्रतिक्रिया भी शामिल है। स्वच्छ भारत अभियान को ध्यान में रखते हुए पुलिस थानों में स्वच्छता अभियान भी सर्वेक्षण के प्रमुख मापदंडों में से एक था। इसके अलावा, आईटी सुविधाएं, फोरेंसिक अवसंरचना, पुलिस रेडियो संचार, अभिलेखों का डिजिटलीकरण आदि मूल्यांकन के अन्य मापदंड थे। नागरिकों की चिंता को बेहतर ढंग से दर्शाने के लिए नागरिक इंटरफेस पर सर्वेक्षण को भी नया रूप दिया गया है। इस वर्ष के सर्वेक्षण में सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया है।

3. मैं राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को सर्वेक्षण के सुचारू संचालन में उनके सहयोग के लिए धन्यवाद देता हूँ जो सभी हितधारकों के लिए मूल्यवान होगा।

4. मैं इस अवसर पर शीर्ष क्रम के पुलिस थानों के अधिकारियों को अपनी शुभकामनाएँ देता हूँ । मेरा यह भी मानना है कि ये पुलिस थानें नागरिकों के प्रति पुलिस की छवि सुधारने और उनकी वैध अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए मिसाल कायम कर रहे हैं।

अजय भल्ला

(अजय भल्ला)

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 26.10.2022

INDIA

विषय सूची

परिचय 8

चयन एवं मूल्यांकन की प्रक्रिया 11

चयन की प्रक्रिया 11

मूल्यांकन की प्रक्रिया 13

भाग-1: अभिलेख आधारित मूल्यांकन 14

भाग-2: सर्वेक्षण आधारित मूल्यांकन 15

मुख्य अवलोकन 19

भाग-1: अभिलेख आधारित मूल्यांकन 19

भाग-2: सर्वेक्षण आधारित मूल्यांकन 26

नागरिकों की प्रतिक्रिया 30

उत्कृष्ट पुलिस थानें 2022 36

अनुलग्नक 45

1. परिचय

पुलिसकर्मियों को ऐसी शक्तियां एवं जिम्मेदारी सौंपी जाती हैं जिनका समाज की यथा स्थिति पर बहुत गहरा प्रभाव होता है। पुलिसकर्मी कानून और व्यवस्था बनाए रखने, आम जनता के जीवन, स्वतंत्रता और संपत्ति की रक्षा करने के लिए जिम्मेदार हैं। समय के साथ पुलिसकर्मियों के कर्तव्य और दायित्व में बदलाव हुआ है। व्यापक, चुनौतीपूर्ण एवं अत्यधिक शारीरक क्षमता की आवश्यकता पुलिस की कार्यशैली का अभिन्न हिस्सा बन चूका है। हालांकि, यह अत्यधिक संतोषजनक भी है क्योंकि यह समाज में पुलिस को एक स्पष्ट बदलाव लाने का मौका देता है। अनेक जिम्मेदारियों के बीच, पुलिस की कुछ जिम्मेदारियां जो उनके कार्य को चुनौतीपूर्ण बनाती हैं:

1. कानून व्यवस्था को निष्पक्ष रूप से निरंतर बनाए रखना
2. नागरिकों के जीवन, स्वतंत्रता, निजी और सार्वजनिक संपत्तियों, मानवाधिकारों और गरिमा की रक्षा करना
3. आंतरिक सुरक्षा की रक्षा करना
4. अपराधों का पता लगाना, रोकथाम करना, नियंत्रित करना और जांच करना।
5. समाज में सुरक्षा की भावना पैदा करना।

माननीय प्रधानमंत्री द्वारा किए गए आह्वान "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" में राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों की जोड़ी की अवधारणा के माध्यम से विभिन्न राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के लोगों के बीच बातचीत बढ़ाने और आपसी समझ को बढ़ावा देने की परिकल्पना की गई है। पुलिस कर्मियों के लिए सद्भाव और विश्वास का निर्माण करके भारत के नागरिकों को एकजुट करने के लिए "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" की भावना के ध्वजवाहक के रूप में उभरने के लिए एक उपयुक्त अवसर है।

इस पृष्ठभूमि को ध्यान में रखते हुए, पुलिस व्यवस्था की प्रभावशीलता में निरंतर सुधार और मजबूती के उपाय करना समय की आवश्यकता है। सार्वजनिक संस्थानों की रैंकिंग ऐसा ही एक उपाय है जो की समाज के शासन-विधि में महत्तवपूर्ण स्थान रखने वाले संस्थानों को बेहतर बनाने में अत्यधिक महत्व अर्जित किया है। समस्त विश्व में आधुनिक पुलिस संगठन, पुलिस के

संचालन और प्रभावशीलता को मापने और सुधारने के लिए मानदंड और निरंतर सुधार तंत्रों का उपयोग करते हैं। सर्वोत्तम प्रदर्शन करने वाले पुलिस थानों को पुरस्कृत करने की यह कवायद भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा हमारे पुलिस कर्मियों की निष्ठा और कड़ी मेहनत को दर्शाने एवं दूसरों को उनका अनुकरण करने को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिवर्ष की जाती है। इसके अलावा, यह पुलिस स्टेशनों के स्तर पर भौतिक बुनियादी ढांचे, संसाधनों और कमियों की स्थिति की एक तस्वीर भी प्रदान करता है।

देश भर में सर्वश्रेष्ठ पुलिस थानों की रैंकिंग की यह कवायद गृह मंत्रालय के पुलिस आधुनिकीकरण प्रभाग की देखरेख में की जाती है। देश के हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों से कुछ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पुलिस थानों का चयन कर सर्वेक्षण किया जाता है। फिर चयनित मानदंडों के अनुसार पुलिस थानों को उनके प्रदर्शन के आधार पर मूल्यांकन कर उनकी राष्ट्रीय स्तर पर रैंकिंग की जाती है। गृह मंत्रालय के पुलिस आधुनिकीकरण प्रभाग ने नियत प्रक्रिया के अनुसार ट्रांसरूरल एग्री कंसल्टिंग (TRUAGRICO) को वर्ष 2022 के लिए देश के शीर्ष पुलिस थानों के चयन का उत्तरदायित्व सौंपा है।

2. चयन एवं मूल्यांकन की प्रक्रिया

चयन की प्रक्रिया

देश भर में 17,379 स्वीकृत पुलिस थाने हैं। इनमें से 9,378 पुलिस थाने ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित हैं, जबकि 4,929 पुलिस थाने शहरी क्षेत्रों में स्थित हैं, और शेष 3,072 विशेष प्रयोजन पुलिस थाने हैं। तमिलनाडु में देश में सबसे अधिक (2272) पुलिस थाने है, जबकि सबसे कम, यानी 6 पुलिस थाने केन्द्र शासित प्रदेश दादरा तथा नगर हवेली और दमन एवं दीव में हैं। चूँकि कार्यभार का उद्देश्य उच्च प्रदर्शन करने वाले थानों की रैंकिंग करने का था, अतः सैम्पलिंग के स्थान पर मूल्यांकन के लिये थानों के चयन करने की प्रक्रिया को प्राथमिकता दी गयी है। तदनुसार, सभी पुलिस थानों के लिए राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) के पास उपलब्ध सूचना का उपयोग कर थानों का चयन किया गया एवं थानों के प्रदर्शन के मूल्यांकन के लिए निर्धारित मानदंडों और भारों के आधार पर प्रत्येक राज्य से थानों का चयन किया गया है। मूल्यांकन हेतु निर्धारित मानदंडों और भारों को नीचे दर्शाया गया है

चयन **का मानदंड**	अधिकतम अंक	**भार**	
महिलाओं के खिलाफ अपराध	10	ए-70%	बी -30%
कमजोर वर्ग के खिलाफ अपराध	10	ए -60%	बी -40%
संपत्ति **से सम्बंधित** अपराध	10	ए-70%	बी -30%
गुमशुदा व्यक्तियों के मामले	10	सी-100%	
अज्ञात पाए गए व्यक्तियों के मामले	10	सी-100%	
अज्ञात शवों के मामले	10	सी-100%	

ए- दर्ज की गई कुल प्राथमिकी में से आरोप पत्रिकरण का प्रतिशत
बी- प्राथमिकी का प्रतिशत जिसके लिए 60 दिनों के भीतर आरोप पत्रिकरण की गई
सी- कुल मामलों में से वैसे मामलों का प्रतिशत जिनमे CCTNS पर तस्वीर डाली गई हो

प्रत्येक राज्य / केंद्र शासित प्रदेश को देश के पुलिस थानों की वार्षिक मूल्यांकन में स्थान पाने का अवसर प्रदान करने हेतु प्रत्येक राज्य / केंद्र शासित प्रदेश से पुलिस थानों को नीचे दिए गए मापदंडों के आधार पर चुना जाता है:

- 750 से अधिक पुलिस थानों वाला राज्य: 3 थानों का चयन
- 750 से कम पुलिस थानों वाले राज्य और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली: 2 थानों का चयन
- केंद्र शासित प्रदेश: प्रत्येक केंद्र शासित प्रदेश के लिए 1 थाना का चयन

वर्ष 2022 के लिए, स्वीकृत पुलिस थानों की संख्या और मूल्यांकन के लिए चयन किए गए पुलिस थानों की संख्या नीचे तालिका में दी गई है:

क्रं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	स्वीकृत थानों की संख्या	चयनित थानों की संख्या
1	तमिलनाडु	2272	3
2	उत्तर प्रदेश	1656	3
3	महाराष्ट्र	1165	3
4	मध्य प्रदेश	1117	3
5	बिहार	1096	3
6	कर्नाटक	1054	3
7	आंध्र प्रदेश	1021	3
8	राजस्थान	894	3
9	तेलंगाना	841	3
10	गुजरात	741	2
11	पश्चिम बंगाल	634	2
12	ओडिशा	627	2
13	झारखण्ड	564	2
14	केरल	564	2
15	छत्तीसगढ	467	2
16	पंजाब	430	2
17	हरियाणा	392	2
18	असम	344	2
19	असम	209	2
20	उत्तराखंड	159	2
21	हिमाचल प्रदेश	148	2
22	अरुणाचल प्रदेश	140	2
23	मणिपुर	113	2
24	नागालैण्ड	86	2
25	त्रिपुरा	84	2
26	मेघालय	75	2
27	मिजोरम	44	2
28	गोवा	43	2
29	सिक्किम	30	2
30	जम्मू एवं कश्मीर	241	1
31	पुडुचेरी	55	1
32	अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह	24	1
33	चंडीगढ़	18	1
34	लक्षद्वीप	16	1
35	दादरा तथा नगर हवेली और दमन एवं दीव	8	1
36	लद्दाख़	7	1
	कुल	17379	74

जैसा कि दर्शाया गया है, 17379 पुलिस थानों में से वर्ष 2022 के मूल्यांकन के लिए 74 पुलिस थानों को चुना गया।

मूल्यांकन की प्रक्रिया

थानों के मूल्यांकन की प्रक्रिया को दो भागों में विभाजित किया गया है।

भाग -1 थानों के वार्षिक कार्यकाल के अभिलेख पर आधारित है, जिसका भार कुल अंकों का 80 प्रतिशत है।

भाग -2 में सर्वेक्षण आधारित मूल्यांकन शामिल है, जिसे 20 प्रतिशत भार दिया गया है। भाग-2 के अंकों का पुनः दो हिस्सों में विभाजन किया गया है। पहला हिस्सा जो कि आधारभूत संरचना और नागरिको के थाने से जुड़े कार्यों के निष्पादन से सम्बंधित है, इसे 80 प्रतिशत भार दिया गया है जबकि दूसरा हिस्सा नागरिकों, विशेष तौर पर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले निवासी और दुकानदार/व्यवसायियों कि प्रतिपुष्टि से सम्बंधित है, और इसे 20 प्रतिशत भार दिया गया है।

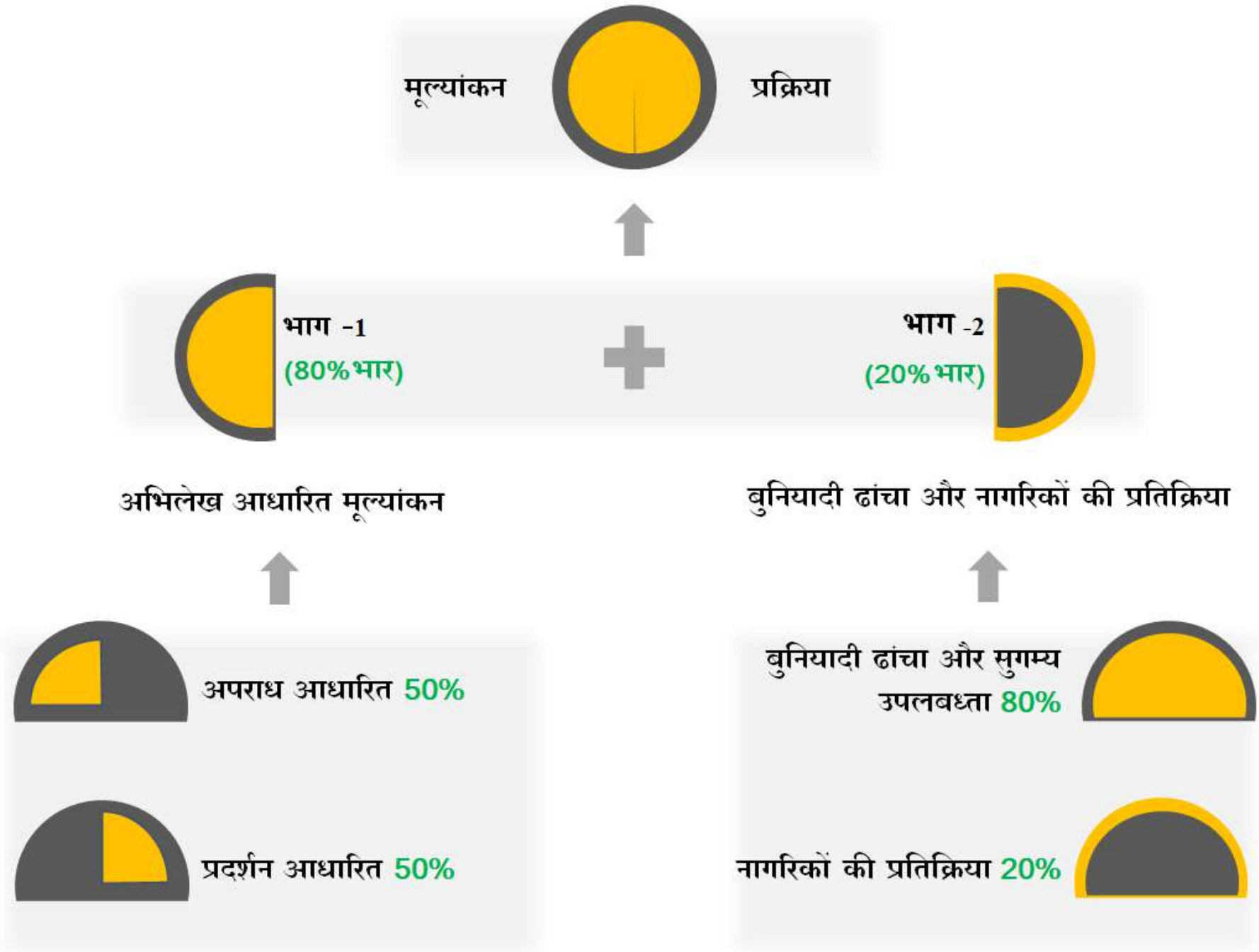

भाग-१: अभिलेख आधारित मूल्यांकन

इस चरण के दौरान चुने गए पुलिस थानों का, बी.पी.आर. एण्ड डी. द्वारा अपनाई गई प्रदर्शन मूल्यांकन प्रणाली के आधार पर मूल्यांकन किया गया है। बी.पी.आर. एण्ड डी. की मूल्यांकन प्रणाली में विशिष्ट मानदंडों पर उत्तम प्रदर्शन के लिए सकारात्मक अंकों का प्रावधान है जबकि कुछ मानदंडों पर खरा न उतरने पर नकारात्मक अंकों का प्रावधान है। मूल्यांकन के लिए 19 प्रमुख शीर्षों को सूचीबद्ध कर इन्हें दो समूहों में वर्गीकृत किया गया है। 'अपराध आधारित शीर्षों को शीर्ष क्रम 1 से शीर्ष क्रम 8 में रखा गया है और प्रदर्शन पर आधारित शीर्षों को शीर्ष 9 से शीर्ष 19 तक रखा गया है।

अपराध आधारित (शीर्ष 1-8)

- अपराध की रोकथाम और सक्रिय उपाय
- क्रियान्वयन
- मामलों का निपटान
- कानून एवं व्यवस्था
- छोटे अधिनियम जैस आरपीजीओ, उत्पाद शुल्क, एनडीपीएस और शस्त्र अधिनियम
- केस अधिकारी योजना के तहत मामले
- एसीबी द्वारा पकड़े गए अधिकारी
- निलंबन

प्रदर्शन आधारित (शीर्ष 9-19)

- महिलाओं से जुड़े अपराध के खिलाफ कार्रवाई
- पुराने मामलों का निपटारा
- पुलिस अधिकारियों का व्यवहार
- कमजोर वर्ग से जुड़े अपराध के खिलाफ कार्रवाई
- सत्यापन
- सड़क सुरक्षा
- दोषसिद्धि
- मालखाना
- लम्बित मामलों का स्तर
- सामुदायिक बैठक
- जाली प्रविष्टि

शीर्ष 1-8 का प्राप्तांक (S1): बी.पी.आर. एण्ड डी. के प्रारूप अनुसार प्रत्येक उप-शीर्ष के अंतर्गत मामलों की संख्या को नामित अंकों से गुणा करके प्राप्त किए गए कुल अंकों की गणना की गई है। प्रत्येक शीर्ष को नीचे दर्शाए गए सीमा अनुसार रैखिक रूप से रूपांतरित किया गया है।

अपराध आधारित प्रमुख	प्राप्तांक की सीमा
लघ अधिनियम	0 से 20
निवारक कार्रवाई	0 से 20
क्रियान्वयन	0 से 10
पुराने मामलों का निपटान	-10 से 20
केस अधिकारी योजना के तहत मामले	-10 से 20
नियम और कानून	-20 से 0
एसीबी द्वारा ट्रैप	-50 से 0
निलंबन	-10 से 0

शीर्ष 9-19 का प्राप्तांक (S2): मूल्यांकन के इस चरण में भी बी.पी.आर. एण्ड डी. के प्रारूप अनुसार प्रत्येक पुलिस थानों के लिए प्रत्येक उप-शीर्ष (9-19) के अंतर्गत मामलों के आधार पर अंक देकर कुल अंकों की गणना की गई है।

भाग-2: सर्वेक्षण आधारित मूल्यांकन

पुलिस स्टेशन के बुनियादी ढांचे, नागरिकों की थाना से जुड़ी सेवा लेने में सहजता और थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले निवासी और दुकानदार/ व्यवसायियों की प्रतिपुष्टि का आकलन करने के लिए इस चरण में सर्वेक्षण किया गया है।

क) **पुलिस थानों का बुनियादी ढांचा और पुलिस कर्मी की सुगम्य उपलबध्ता-** इस मापदंड में पुलिस थानों की इमारत, कमरे, सुविधाएं, फर्नीचर और उनके समग्र रखरखाव, पुलिस कर्मियों के अनुशासन और नागरिकों का थाने से जुड़ी सेवा लेने में सहजता शामिल है।

ख)

पुलिस थाना एक सार्वजनिक स्थान है, जहां लोग विभिन्न सार्वजनिक सेवाओं और अत्यावश्यकताओं के लिए आते हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि पुलिस स्टेशन में बुनियादी ढांचा सभी आगंतुकों के लिए पर्याप्त रूप से मौजूद होना चाहिए और साथ ही पर्याप्त स्वच्छता भी होनी चाहिए। पुलिस स्टेशन भवन वह स्थान भी है जहां पुलिस कर्मियों का काफी समय व्यतीत होता है और इसलिए कर्मियों के लिए लंबे समय तक काम करने के लिए स्वच्छ कार्यालय स्थान, भोजनालय और विश्रामालय की उचित सुविधाएं आवश्यक हैं। एक विस्तृत मूल्यांकन सुनिश्चित करने के लिए, निम्नलिखित मानकों पर पुलिस स्टेशनों का मूल्यांकन किया गया:

क) थानों के भवन की स्थिति
ख) कर्मियों का अनुशासन और नागरिकों के प्रति सुगम्य उपलबध्ता
ग) काग़ज़ी अभिलेखों का भंडारण
घ) भोजनालय एवं विश्रामालय की सुविधा
ङ) ख़रीदी एवं वित्तीय प्रक्रिया पर थाना प्रभारी की घोषणा

ख) नागरिक प्रतिक्रिया- नागरिक अपनी सुरक्षा और मुद्दों के समाधान को सुनिश्चित करने के लिए एक पारदर्शी, सुलभ और उत्तरदायी पुलिस सेवा की अपेक्षा करते हैं। पुलिस के प्रदर्शन का मूल्यांकन नागरिकों की जरूरतों और प्राथमिकताओं को समझने के साथ शुरू होता है। पुलिस थानों द्वारा दी गयी सूचना एवं नागरिकों की प्रतिपुष्टि के संयोजन से पुलिस थानों के समग्र प्रदर्शन का मूल्यांकन किया गया है। नागरिकों की प्रतिक्रिया के लिए चयनित थानों के कार्यक्षेत्र से 3 श्रेणियों में नागरिकों का चयन किया गया है-

पुलिस थाना से वापस लौट रहे लोग (शिकायतकर्ता-10) - शिकायतकर्ताओं की प्रतिक्रिया पुलिस स्टेशन में उनके समग्र अनुभव का मूल्यांकन करने के लिए दर्ज की गई और वे अपने क्षेत्र में पुलिस की सेवाओं से कितने संतुष्ट हैं इस बात की प्रतिपुष्टि ली गयी है।

बाजार में दुकानदार/ व्यवसायी (25) – थाना क्षेत्र में आने वाले बाज़ारों के दुकानदार उस क्षेत्र में पुलिस की सेवा के बारे में जानकारी देने के लिए प्राथमिक स्रोत हैं। बाजार में झगड़े और छीन-झपट जैसी स्थितियों को रोकने में और अगर ऐसी कोई घटना हो जाने की स्थिति में पुलिस किस तरह कार्रवाई करती है इसके सबसे बड़े गवाह बाज़ार के दुकानदार और व्यवसायी ही हैं। दुकानदारों को इस बात का भी ज्ञान होता है कि बाजार क्षेत्र में पुलिस कितना गश्त लगाती है और इसका कितना लाभ होता है।

थाना क्षेत्र के अंतर्गत निवासी (25) - बातचीत करते समय पुलिस कर्मियों की भाषा, लहज़ा और व्यवहार का मूल्यांकन करने के लिए थाना क्षेत्र के निवासियों की प्रतिक्रिया ली गयी। पुलिस द्वारा उनके क्षेत्र में रात में गश्त जैसे उचित सुरक्षा उपाय किए गए हैं या नहीं, इसकी भी प्रतिपुष्टि ली गयी।

सर्वेक्षण का क्रियान्वयन

सर्वेक्षण का कार्य व्यापक स्तर पर करने से पहले प्रश्नावली में पुनरीक्षण की आवश्यकता का आकलन करने के लिए एक प्रायोगिक सर्वेक्षण किया गया। प्रायोगिक सर्वेक्षण राजस्थान और गुजरात में किया गया। सर्वेक्षण की प्रक्रिया सर्वेक्षकों के प्रशिक्षण के साथ शुरू हुई। दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से सर्वेक्षकों एवं मूल्यांकन कर्ताओं को सर्वेक्षण के लिए प्रशिक्षित किया गया था। कुल मिलाकर, प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान, लगभग 60 मूल्यांकन कर्ताओं को परियोजना की अवधारणा, प्रश्नावली, सर्वेक्षण पद्धति, तकनीकी अनुप्रयोग और अधिकारियों के साथ-साथ आम जनता से संपर्क करने के तौर-तरीकों पर प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के पूरा होने पर, सर्वेक्षकों एवं मूल्यांकन कर्ताओं को बिना किसी विलंब के सर्वेक्षण के लिए भेजा गया।

दक्षिण भारतीय और उत्तर-पूर्वी राज्यों में क्षेत्रीय भाषाओं की विविधता का ध्यान रखते हुए स्थानीय सर्वेक्षकों को नियुक्त किया गया क्योंकि ऐसे सर्वेक्षक स्थानीय लोगों से बात करते समय उनकी भावनाओं को बेहतर समझ सकेंगे। हिंदी भाषी राज्यों में, सर्वेक्षकों एवं मूल्यांकन कर्ताओं के एक दल को कई राज्यों का कार्यभार सौंपा गया था। उदाहरण के लिए, गुजरात का दौरा करने वाले सर्वेक्षकों एवं मूल्यांकन कर्ताओं के एक दल ने दादरा और नगर हवेली एवं दमन और दीव में भी सर्वेक्षण किया। इसी तरह, दिल्ली में थानों का दौरा करने वाली टीम ने पंजाब और हरियाणा में भी थानों का दौरा किया।

संपूर्ण सर्वेक्षण के कार्यक्रम को निश्चित समयावधि में निष्पादित करने का प्रबन्ध किया गया।

मूल्यांकन में प्राप्तांक की चरणबद्ध गणना

'अपराध आधारित' शीर्षों के लिए प्राप्तांक के निर्धारण के मामले में, रैखिक परिवर्तन की तकनीक अपनाई गई है। 'अपराध आधारित' शीर्षों के प्राप्तांक को S_1 और 'प्रदर्शन आधारित' शीर्षों के स्कोर को S_2 से चिह्नित किया गया। S_1 और S_2 के योग को P_1 (भाग-1 का कुल प्राप्तांक) से चिह्नित किया गया है। भाग-2 के मूल्यांकन में भी रैखिक परिवर्तन की तकनीक अपनाई गई एवं भाग-2 के रैखिक रूप से रूपांतरित प्राप्तांक को P_2 कहा गया एवं P_1 को 80 प्रतिशत और P_2 को 20 प्रतिशत भार देकर संपूर्ण प्राप्तांक की गणना की गई।

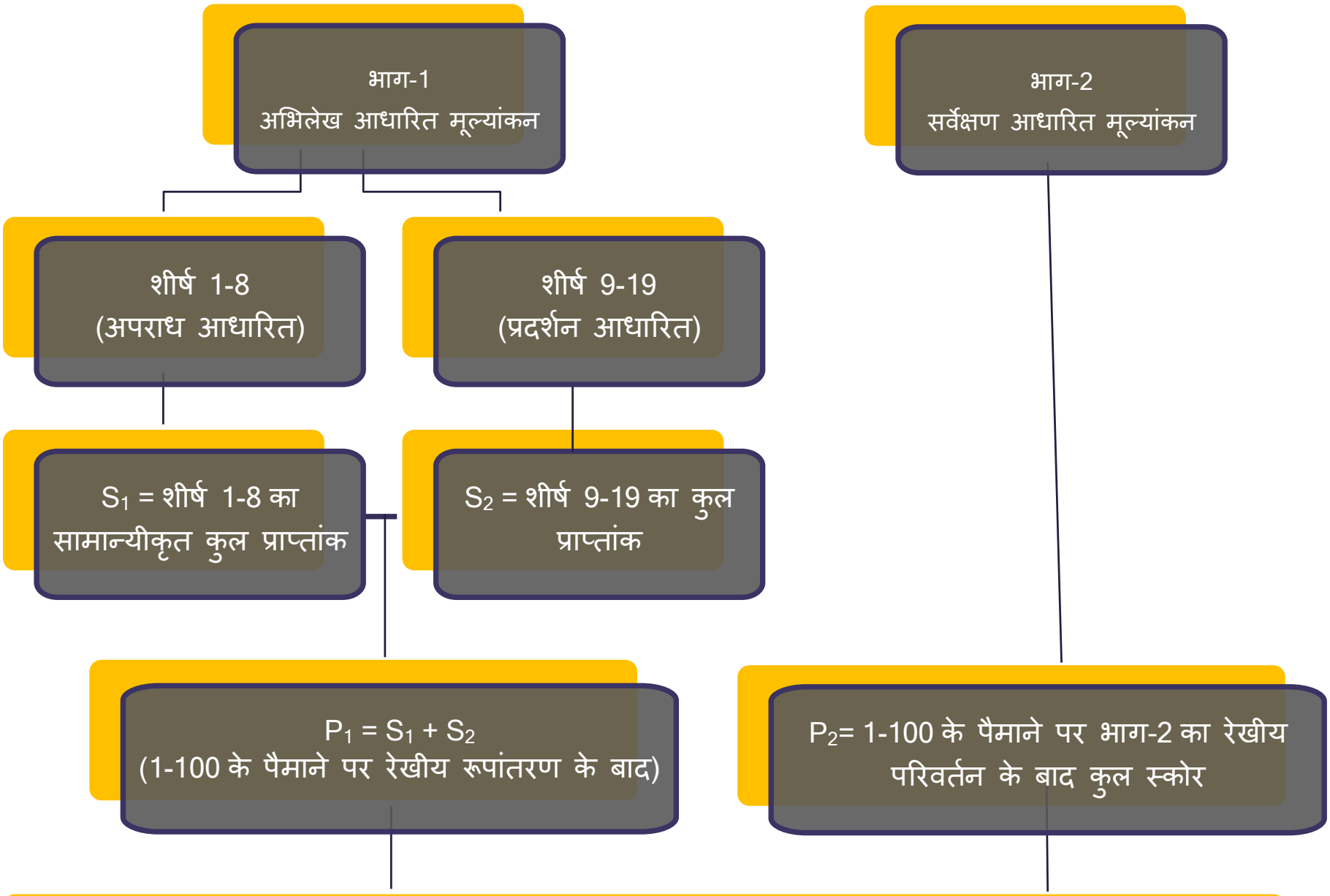

3. मुख्य अवलोकन

भाग-1: अभिलेख आधारित मूल्यांकन

अभिलेख आधारित मूल्यांकन के लिए एक प्रारूप तैयार किया गया और देश भर के सभी चयनित पुलिस थानों के प्रभारियों को भेजा गया। थानों के प्रभारियों को इस प्रारूप में मांगी गयी सूचनाओं को TRUAGRICO द्वारा नियुक्त सर्वेक्षकों को सौंपने का निर्देश दिया गया था। थाना प्रभारियों द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर अभिलेख आधारित मूल्यांकन किया गया है। अभिलेख आधारित मूल्यांकन के परिणामों को दो प्रमुख शीर्षों के अंतर्गत प्रस्तुत किया गया है- अपराध आधारित मूल्यांकन और प्रदर्शन आधारित मूल्यांकन।

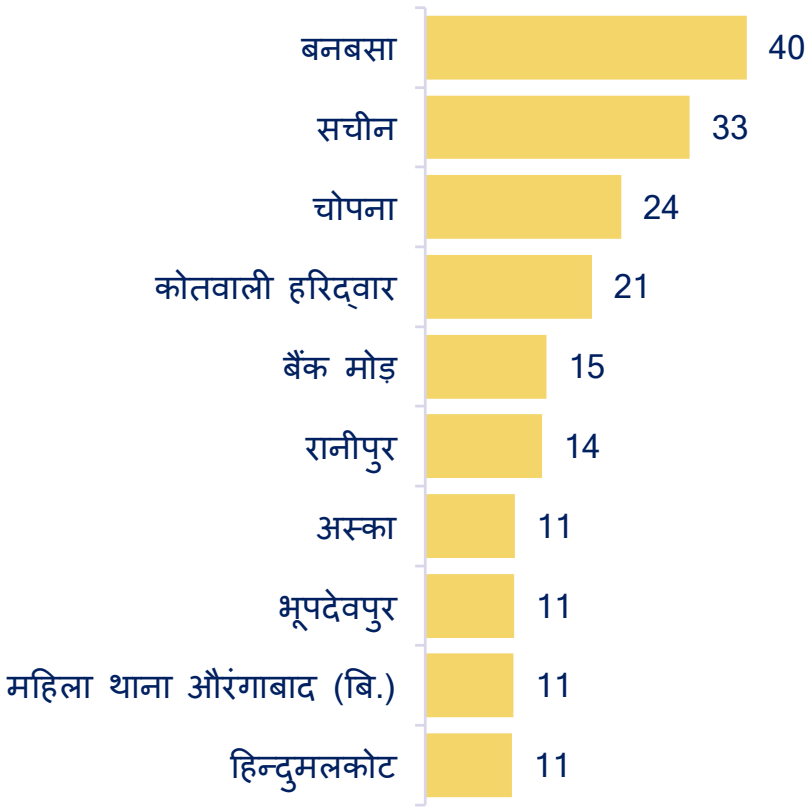

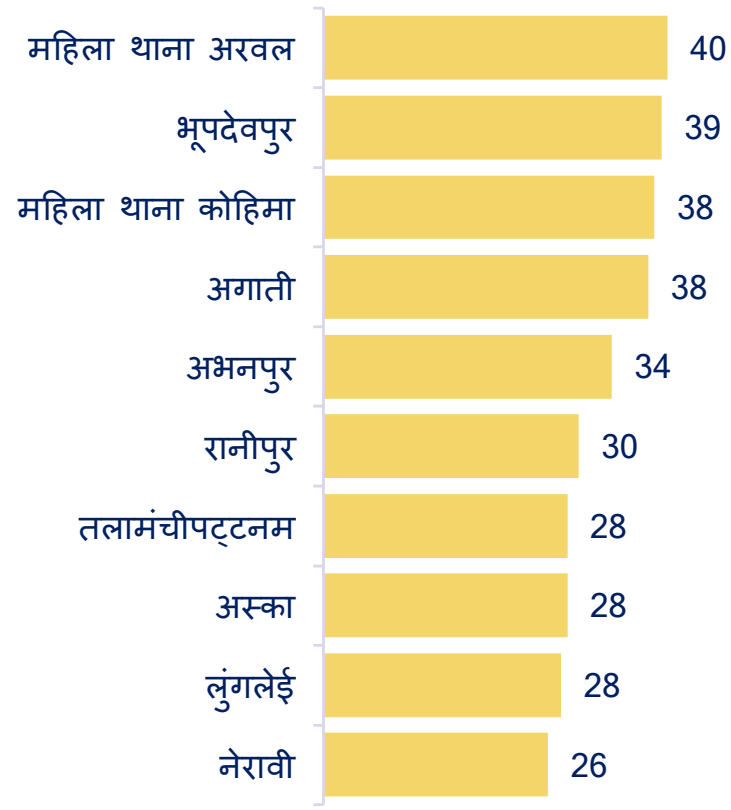

अपराधों के खिलाफ कार्रवाई की तत्परता के मामले में बनबसा थाना, उत्तराखंड ने उच्चतम 40 अंक प्राप्त कर चयनित पुलिस थानों में सर्वश्रेष्ठ स्थान प्राप्त किया। इसके बाद सचिन थाना, गुजरात (40 में से 33 प्राप्तांक) और चोपना थाना, मध्य प्रदेश (40 में से 24 प्राप्तांक) का स्थान आता है। प्रदर्शन आधारित प्राप्तांक के मामले में, महिला पुलिस थाना, अरवल (बिहार) ने सबसे अधिक 40 प्राप्तांक हासिल किए, इसके बाद भूपदेवपुर थाना, रायगढ़, छत्तीसगढ़ (40 में से 39 प्राप्तांक) और महिला पुलिस थाना, कोहिमा, नागालैंड (40 में से 38 प्राप्तांक) का स्थान रहा।

'अपराध आधारित शीर्षों (S_1)' के प्राप्तांक पर राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों का वर्गीकरण

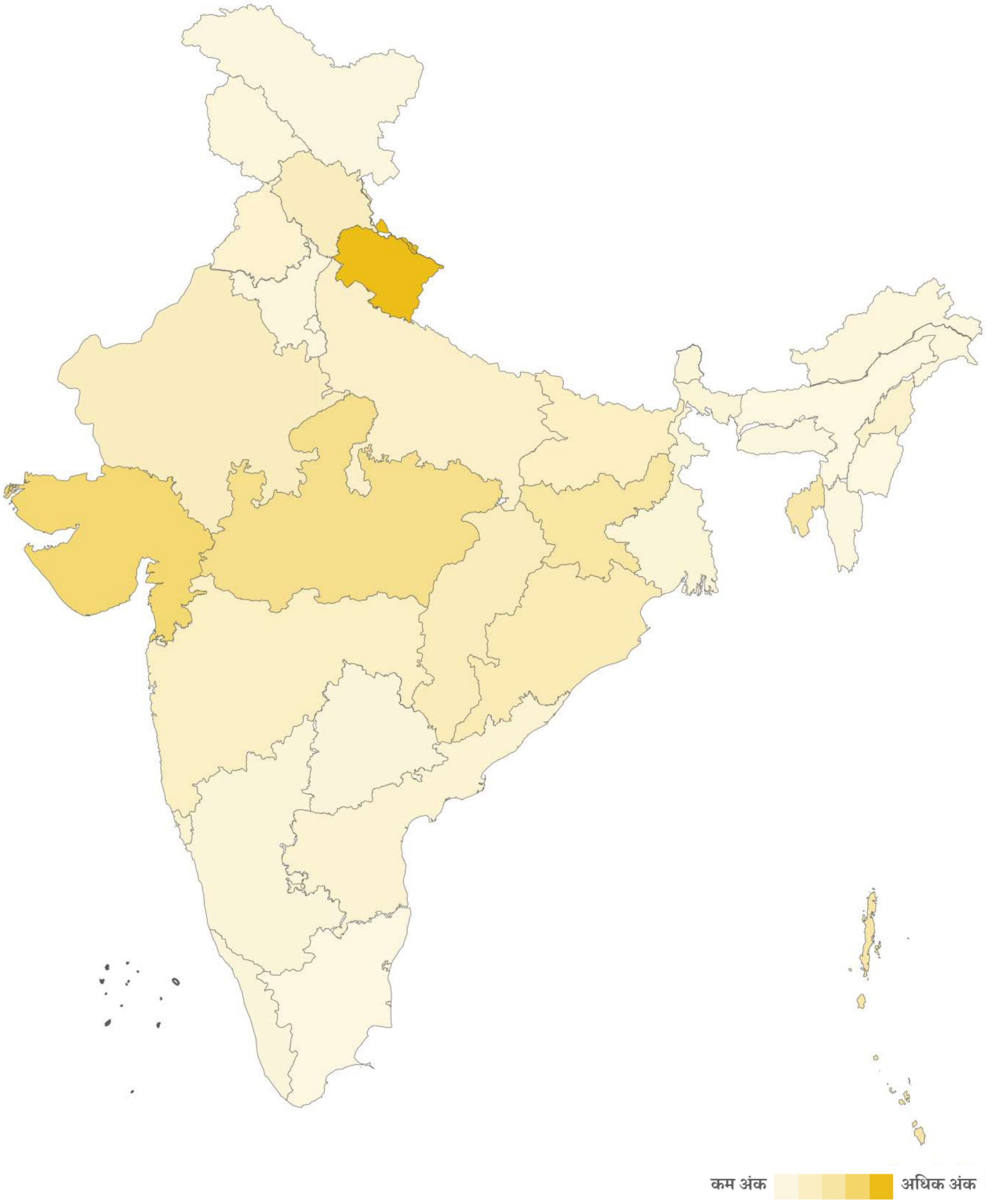

'प्रदर्शन आधारित शीर्षों (S_2)' के प्राप्तांक पर राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों का वर्गीकरण

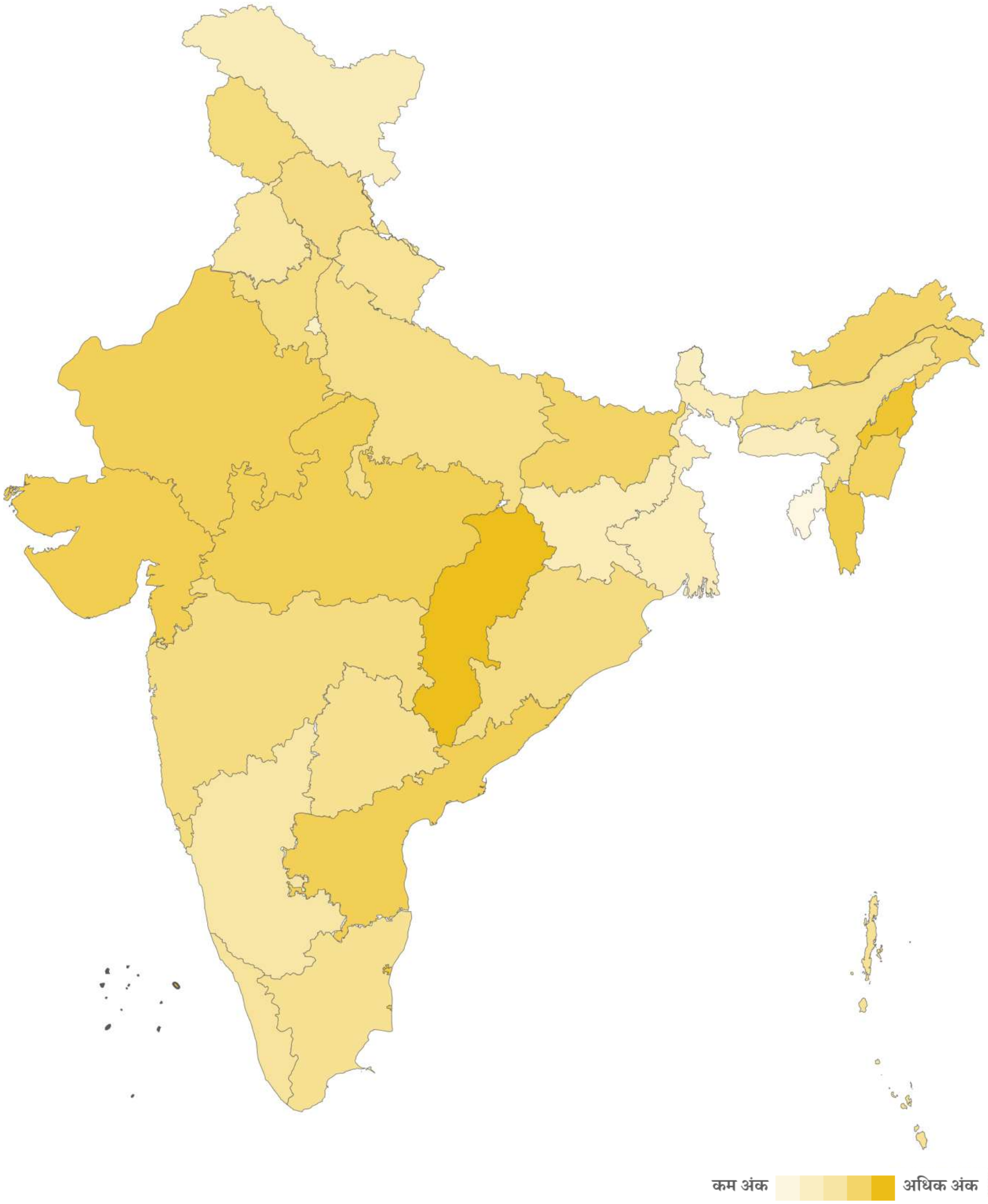

शीर्ष-1: अपराध की रोकथाम

इस शीर्ष के तहत, पुलिस थानों के प्रदर्शन का आकलन हथियार एवं विस्फोटक अधिनियम के उल्लंघन (और इसी तरह के अन्य अपराध जिनमें 3 वर्ष से अधिक सजा का प्रावधान हो), जुआ, अवैध शराब, ड्रग्स, इत्यादि का पता लगाने, जब्ती और गिरफ्तारी में पुलिस के सक्रिय भागीदारी के आधार पर सकारात्मक अंक देकर किया गया। यह पाया गया कि वर्ष 2021 के दौरान इस शीर्ष के तहत औसतन प्रति पुलिस स्टेशन लगभग 125 मामले दर्ज किए गए हैं। इस शीर्ष के तहत श्रेष्ठ दस पुलिस स्टेशनों द्वारा प्राप्त सापेक्ष स्थिति को नीचे दर्शाया गया है।

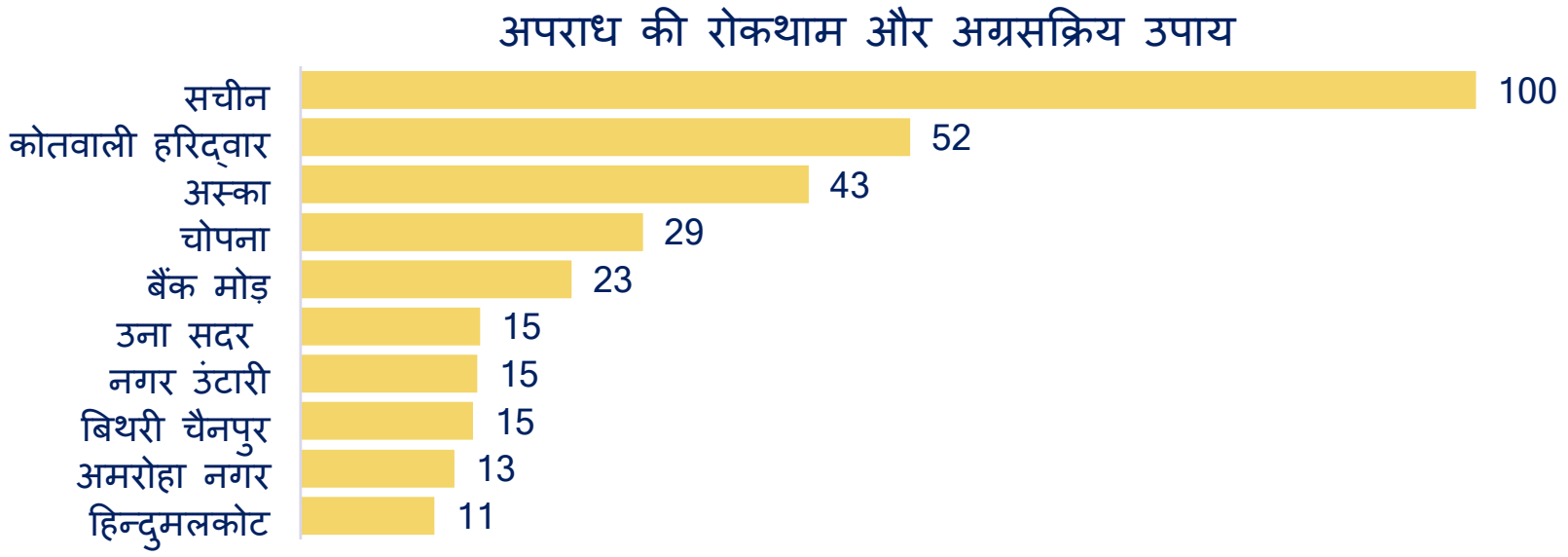

शीर्ष-2: निवारक कार्रवाइयां

इस शीर्ष के तहत मूल्यांकन ज्यादातर निवारक कार्रवाइयों से संबंधित है। दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 110, 122 और 151 के तहत आदेशों के निष्पादन के लिए पुलिस स्टेशनों को अंक प्रदान किए गए हैं। साथ ही, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, असामाजिक गतिविधियों की रोकथाम, गुंडा अधिनियम, मोटर यान अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई के लिए सकारात्मक अंक दिए गए हैं। इस शीर्ष में औसतन प्रति थाने में लगभग 240 मामले पाए गए।

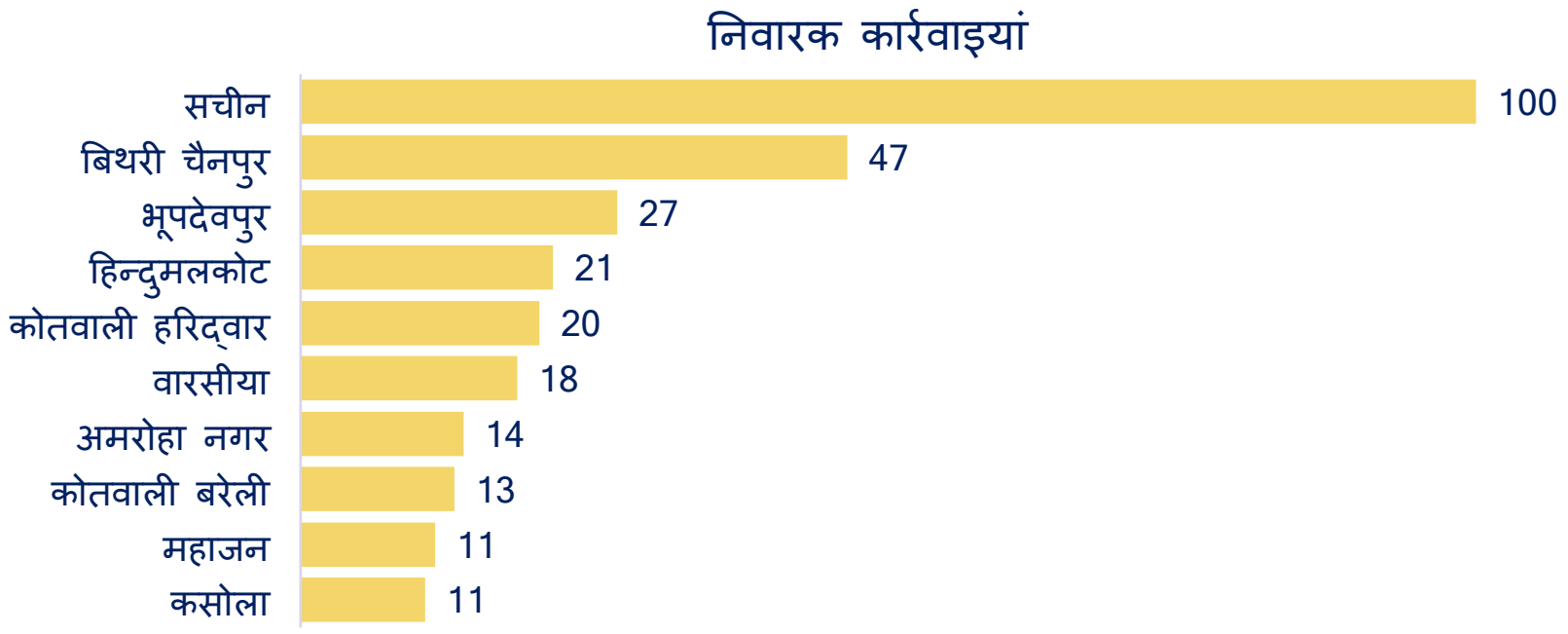

शीर्ष-3: वारंटों का निष्पादन

इस शीर्ष के तहत विभिन्न प्रकार के वारंटों जैसे कि स्टैंडिंग वारंट, गिरफ्तारी वारंट, घोषित अपराधी का वारंट इत्यादि के निष्पादन के आधार पर अंक दिए गए हैं। इनमें से प्रत्येक मामले में, यदि गिरफ्तार व्यक्ति किसी अन्य पुलिस स्टेशन में वांछित था, तो अतिरिक्त अंक दिए गए हैं। इस शीर्ष के तहत निष्पादित आदेशों की प्रति पुलिस थाना औसत संख्या लगभग 191 पायी गई है।

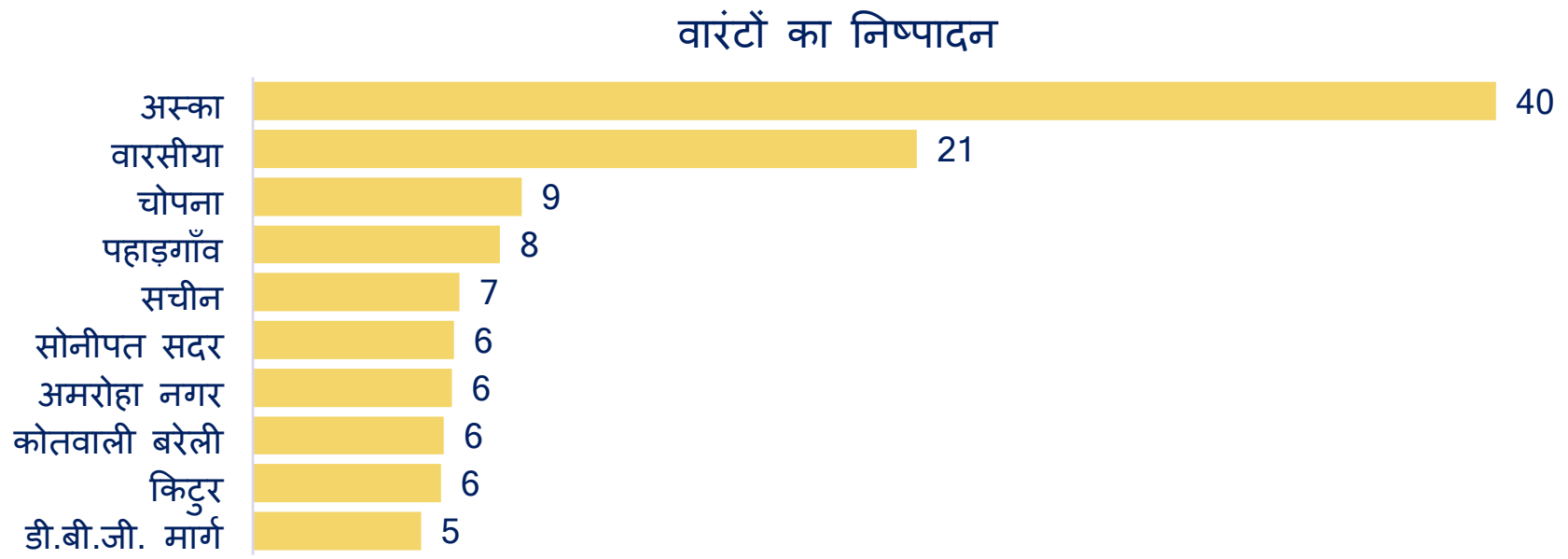

शीर्ष-4: पुराने मामलों का निपटान

इस शीर्ष के अंतर्गत, दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 173(8) और धारा 299 के तहत प्रत्येक मामले को निपटाने के लिए सकारात्मक अंक दिए गए हैं। हालांकि, इसी शीर्ष के तहत वर्ष 2021 में किसी भी नए मामले के जुड़ने से थानों को नकारात्मक अंक देने का भी प्रावधान भी है। यह देखा गया कि प्रति थाने में औसतन 29 पुराने मामलों का निपटान किया गया और साथ ही साथ केवल 2 नया मामला जुड़ा है। इस शीर्ष में आरोपपत्रित व्यक्तियों की गिरफ्तारी के मामले में प्रति थाने में लगभग 2 व्यक्ति और नये आरोप पत्र में शामिल व्यक्तियों की संख्या लगभग 0.6 है।

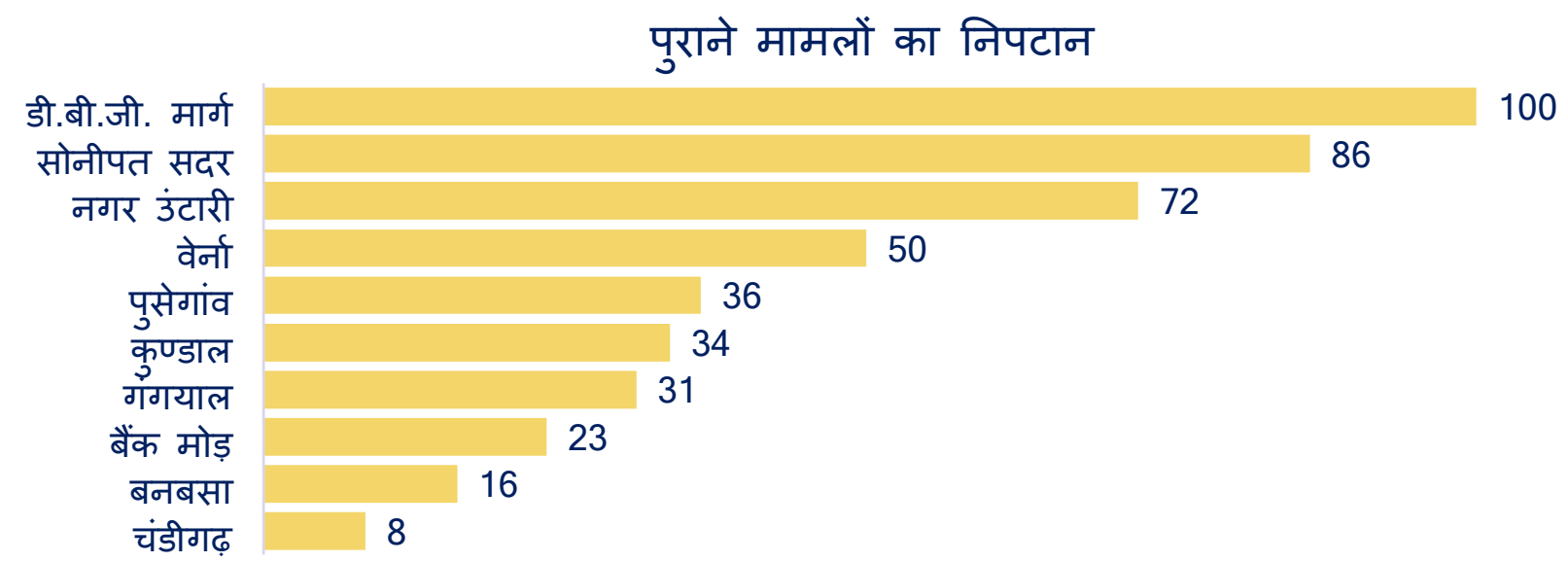

शीर्ष-5: केस अधिकारी योजनान्तर्गत मामलों में दोष-सिद्धि

दोष-सिद्धि उपरांत सजा के वर्षों के आधार पर पुलिस थानों को अंक प्रदान किए गए। मामलों की संगीनता को महत्व देने के लिए सजा के वर्ष जितने अधिक थे, उतने ही अधिक अंक प्रदान किये गए। दोष-सिद्धि न साबित होने की स्थिति वाले मामले के लिए नकारात्मक अंक का प्रावधान किया गया। दोष-सिद्धित मामलों की औसत संख्या लगभग 2 एवं ऐसे मामलों में 2 व्यक्ति प्रति थाना पाई गई। निर्दोष अथवा दोषसिद्धि न साबित होने के औसतन लगभग 9 मामले एवं 15 व्यक्ति प्रति थाना पाया गया।

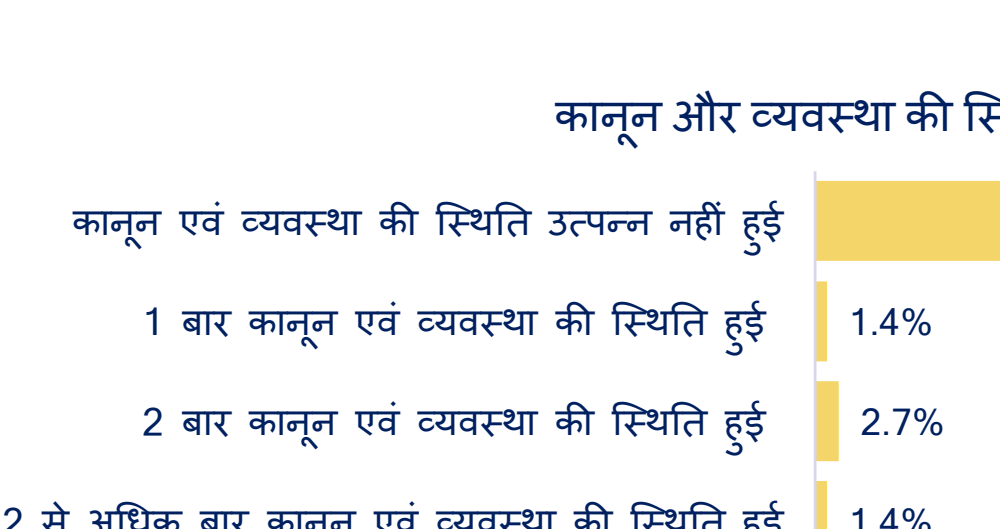

शीर्ष-6: कानून और व्यवस्था की स्थिति

जिन थाना क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थितियों के मामलों के निवारण के लिए पुलिस अधीक्षक या उनसे उच्च अधिकारियों को घटनाओं में शामिल होना पड़ा, वैसे थानों ने नकारात्मक अंक प्राप्त किए। यह देखा गया है कि कानून-व्यवस्था की स्थिति केवल 5 प्रतिशत थानों में ही उत्पन्न हुई। अधिकांश पुलिस थानों (95%) में वर्ष 2021 के दौरान कानून-व्यवस्था की ऐसी कोई स्थिति उत्पन्न नहीं हुई जिसमे उच्च अधिकारियों के हस्तक्षेप की आवश्यकता पड़ी हो।

शीर्ष 7 और 8: एसीबी द्वारा पकड़े गए अधिकारी एवं निलंबन

इन शीर्षों के अंतर्गत भी केवल नकारात्मक अंकों का प्रावधान है। ACB द्वारा पकड़े हुए कर्मियों के प्रत्येक मामले और निलंबन के प्रत्येक मामले के लिए, नकारात्मक अंक प्रदान किये गए। ACB द्वारा पकड़े हुए कर्मियों के मामले में 2 थानों में 3 केस मिला है। हालांकि निलंबन के मामले में यह पाया गया कि 8 थानों के कुल 11 कर्मियों का निलंबन हुआ है।

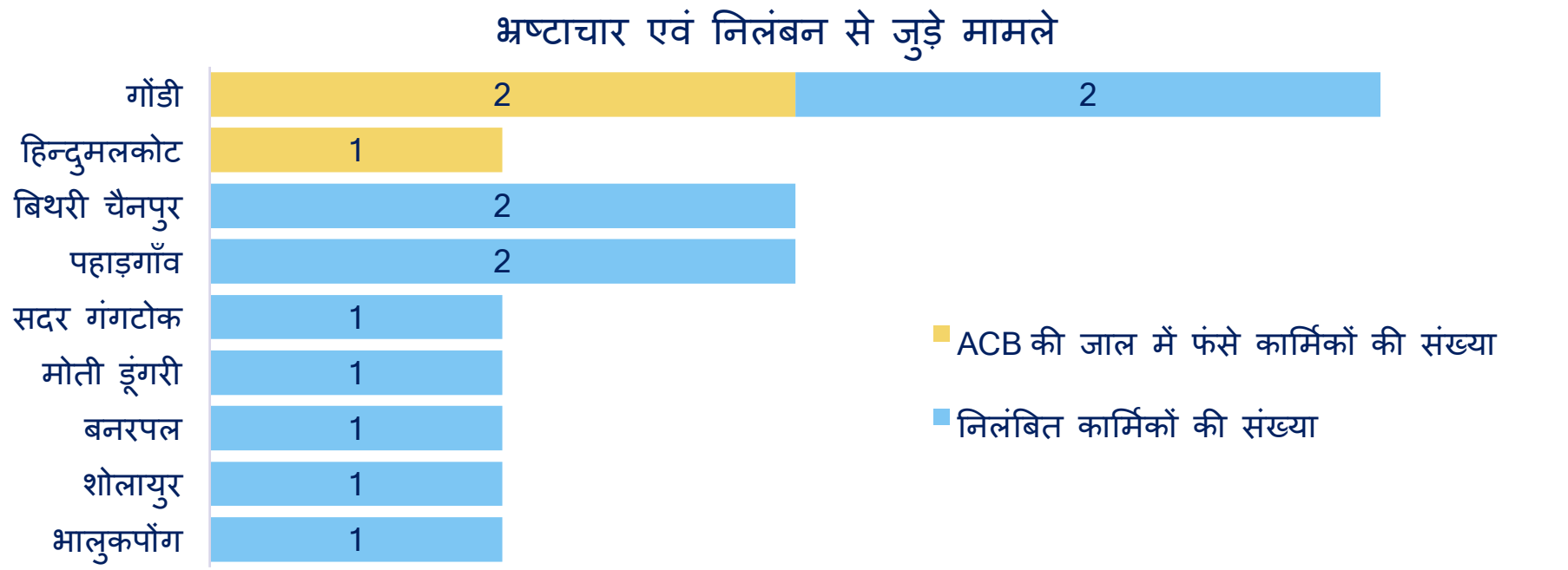

शीर्ष 9-19: प्रदर्शन आधारित मूल्यांकन

इन शीर्षों के अंतर्गत पुराने प्रकरणों के निस्तारण, बलात्कार एवं कमजोर वर्ग के लोगों से जुड़े अपराध के मामलों में त्वरित आरोप-पत्र, चोरी के माल की वसूली, सम्पत्ति अपराधों का पता लगाने, शीघ्र सत्यापन (पासपोर्ट, शस्त्र, सेवा आदि के लिए), दुर्घटनाओं की दर (पिछले वर्ष की तुलना में), मालखाना संबंधित मामले के निपटान की दर, लंबित मामलों की दर, सामुदायिक संपर्क समूह (सीएलजी) की बैठक और झूठी प्रविष्टियां के आधार पर सकारात्मक एवं नकारात्मक अंकों का प्रावधान है। इन मानदंडों पर बेहतर अंक प्राप्त करने वाले शीर्ष पुलिस स्टेशनों को उनके प्रदर्शन के सापेक्ष क्रम में नीचे दर्शाया गया है।

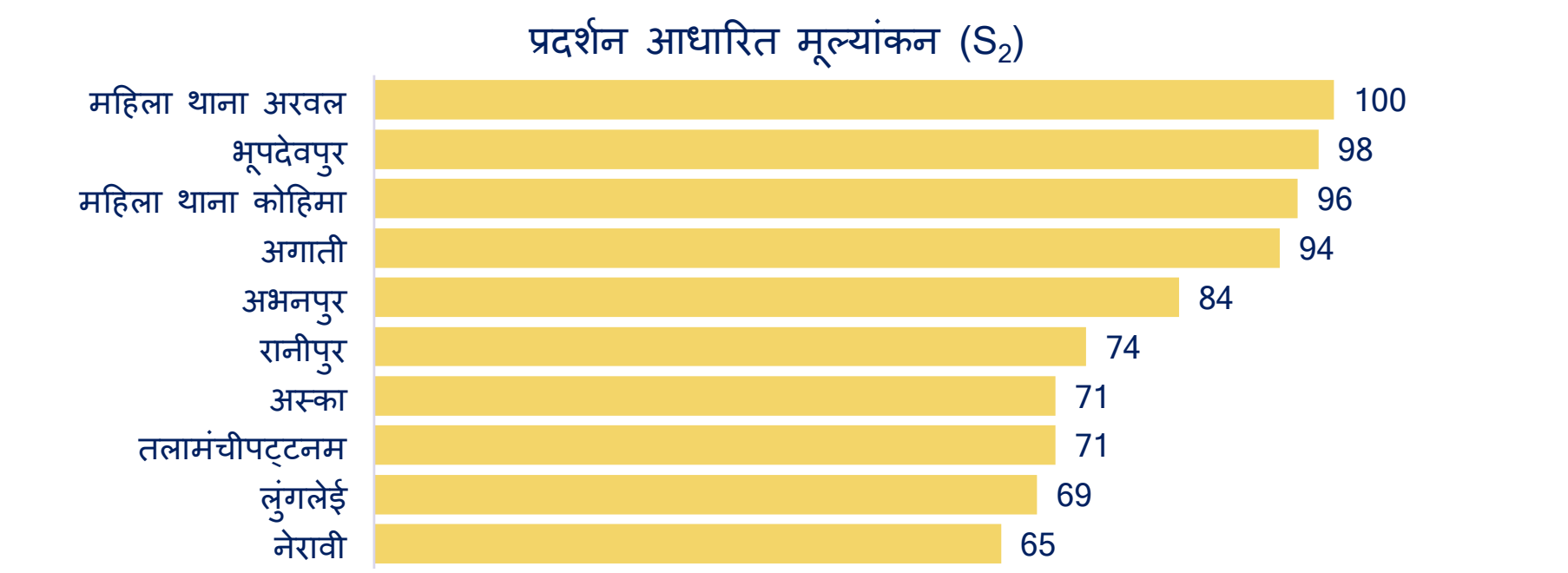

भाग-2: सर्वेक्षण आधारित मूल्यांकन

पुलिस स्टेशन का बुनियादी ढांचा और नागरिकों में सहजता

पुलिस थाने के बुनियादी ढांचे और नागरिकों को पुलिस से सेवा लेने में सहजता का आकलन करते समय, आगंतुकों के साथ-साथ पुलिस स्टेशन के कर्मियों के लिए बुनियादी सुविधाओं पर भी ध्यान दिया गया। विश्रामालय (बैरक), पुलिस स्टेशन परिसर और भवन, लॉक-अप, भोजनालय, अभिलेख और लिखित पत्र भंडारण, थाना की सुरक्षा, शौचालय और सफाई कर्मचारी आदि जैसे बुनियादी ढांचे के लिए मूल्यांकन किया गया है।

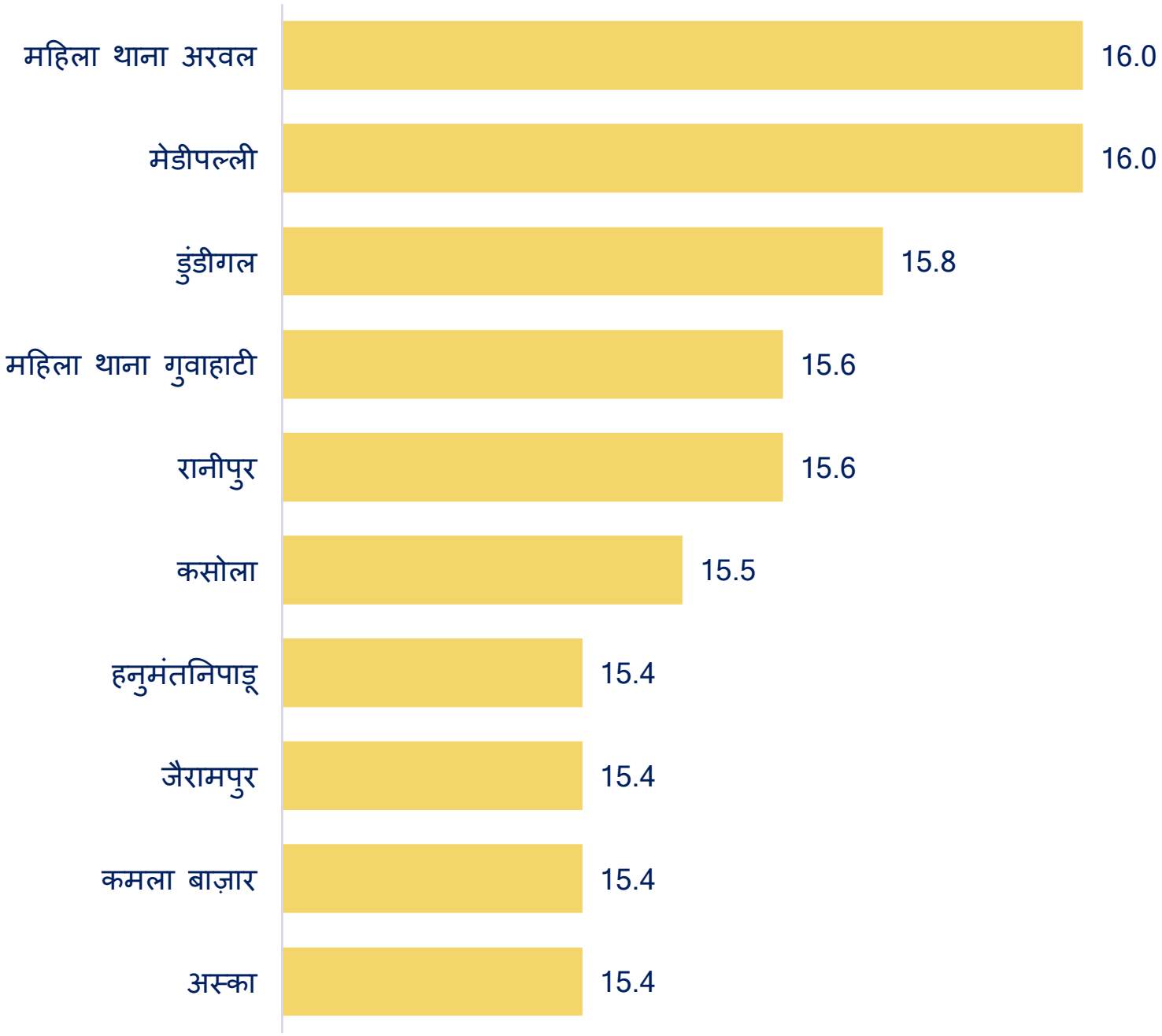

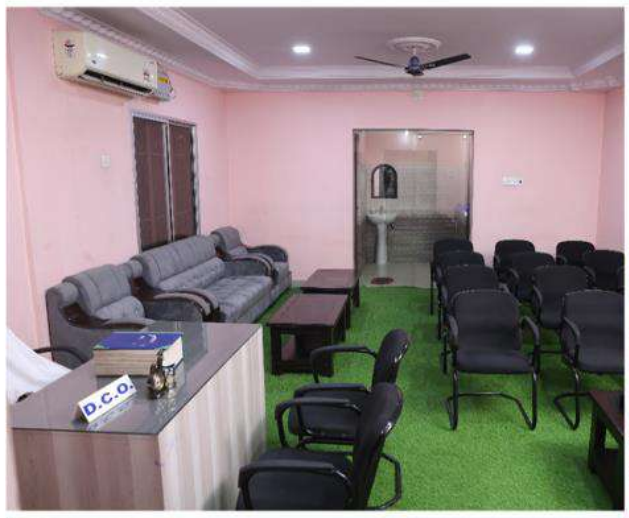

D.C.O.

POLICE
P- Polite
O- Obedient
L- Loyal
स्वागतम्
welcome
झारखण्ड पुलिस आपकी सेवा में 24x7 तत्पर
तेक मोड़ थाना धनबाद में आपका स्वागत है।

IMPHAL POLICE STA
IMPHAL WEST DISTRICT, MANIP

MEDIPALLY POLICE STATION
RACHAKONDA COMMISSIONERATE
MEDIPALLY POLICE STATION
NO PARKING

थाना की सेवा लेने में
नागरिकों की सहजता
कम अंक
अधिक अंक

पुलिस कर्मियों के
लिए विश्रामालय
कम अंक
अधिक अंक

परिसर और इमारत
कम अंक
अधिक अंक

हवालात
कम अंक
अधिक अंक

भोजनालय
कम अंक
अधिक अंक

अभिलेखों का भण्डारण
कम अंक
अधिक अंक

थाना की सुरक्षा के इंतज़ाम
कम अंक
अधिक अंक

शौचालय सफाई की स्थिति
कम अंक
अधिक अंक

नागरिकों की प्रतिक्रिया

पुलिस स्टेशन से वापस लौट रहे लोग (शिकायतकर्ता)

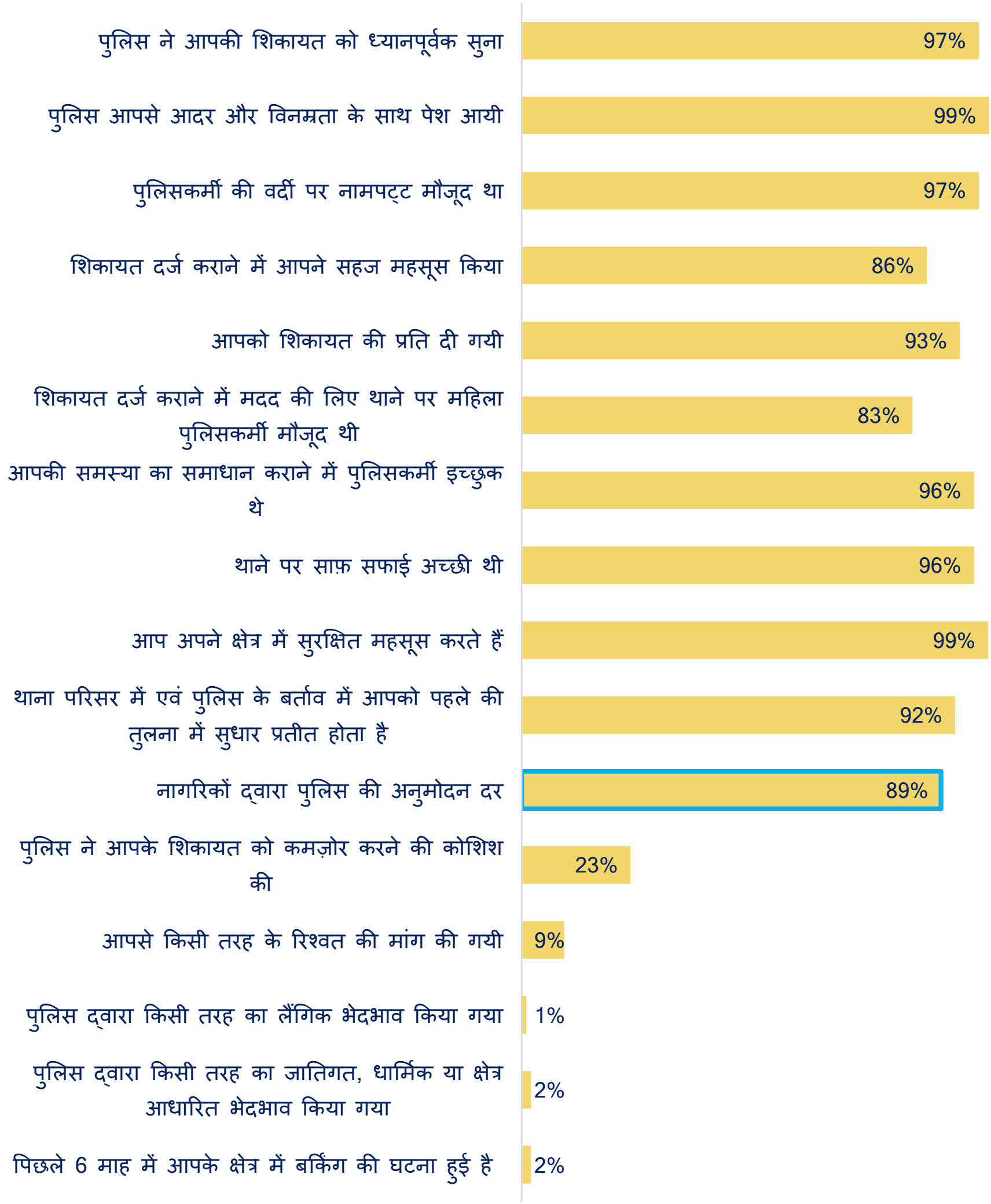

नजदीकी बाजार में दुकानदार/ व्यवसायी

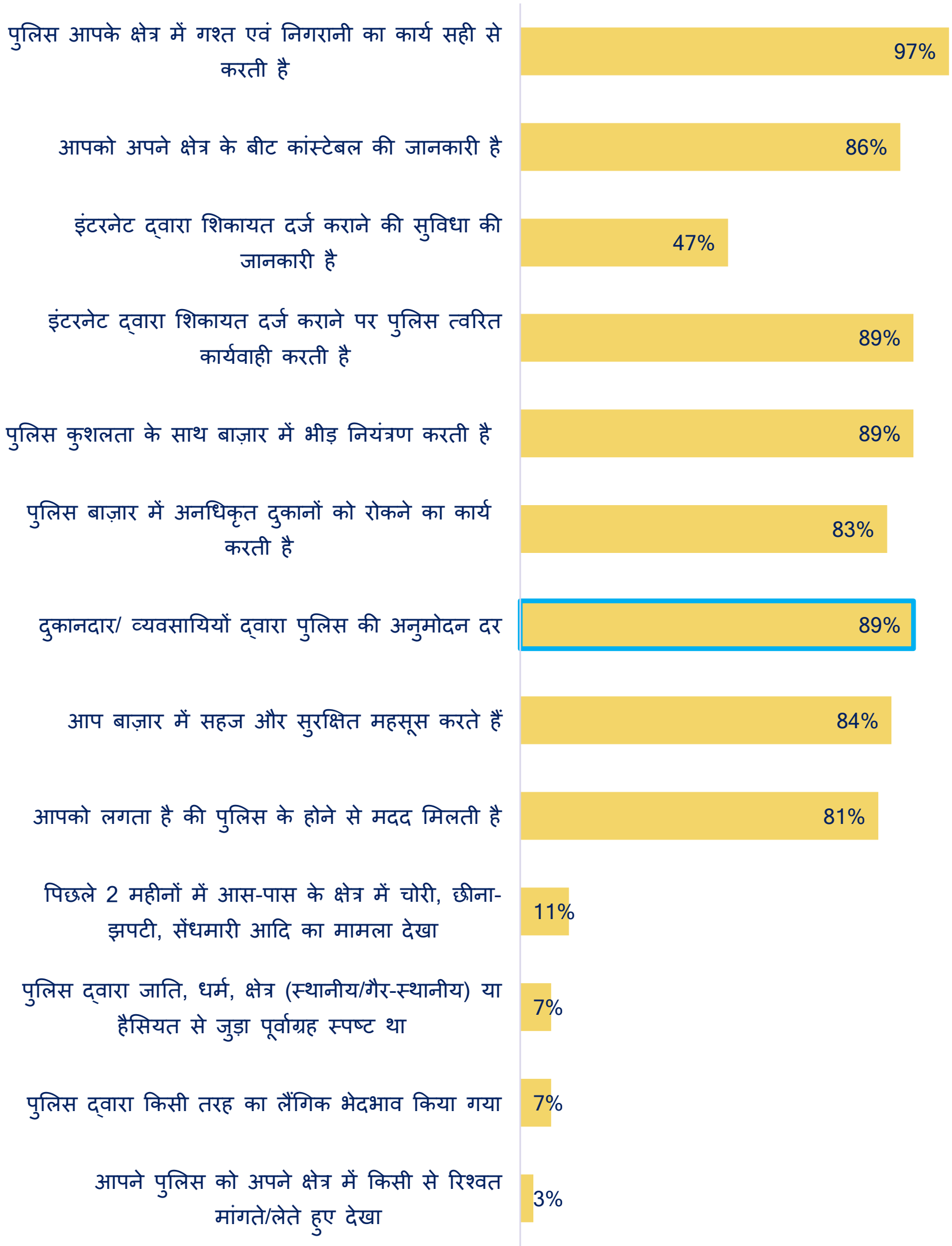

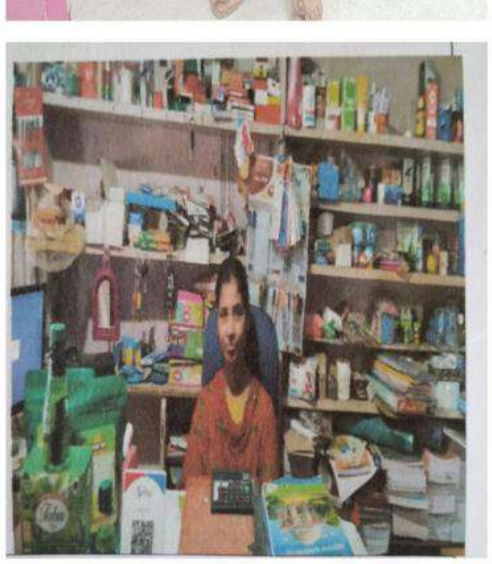

थाना क्षेत्र के अंतर्गत निवासी

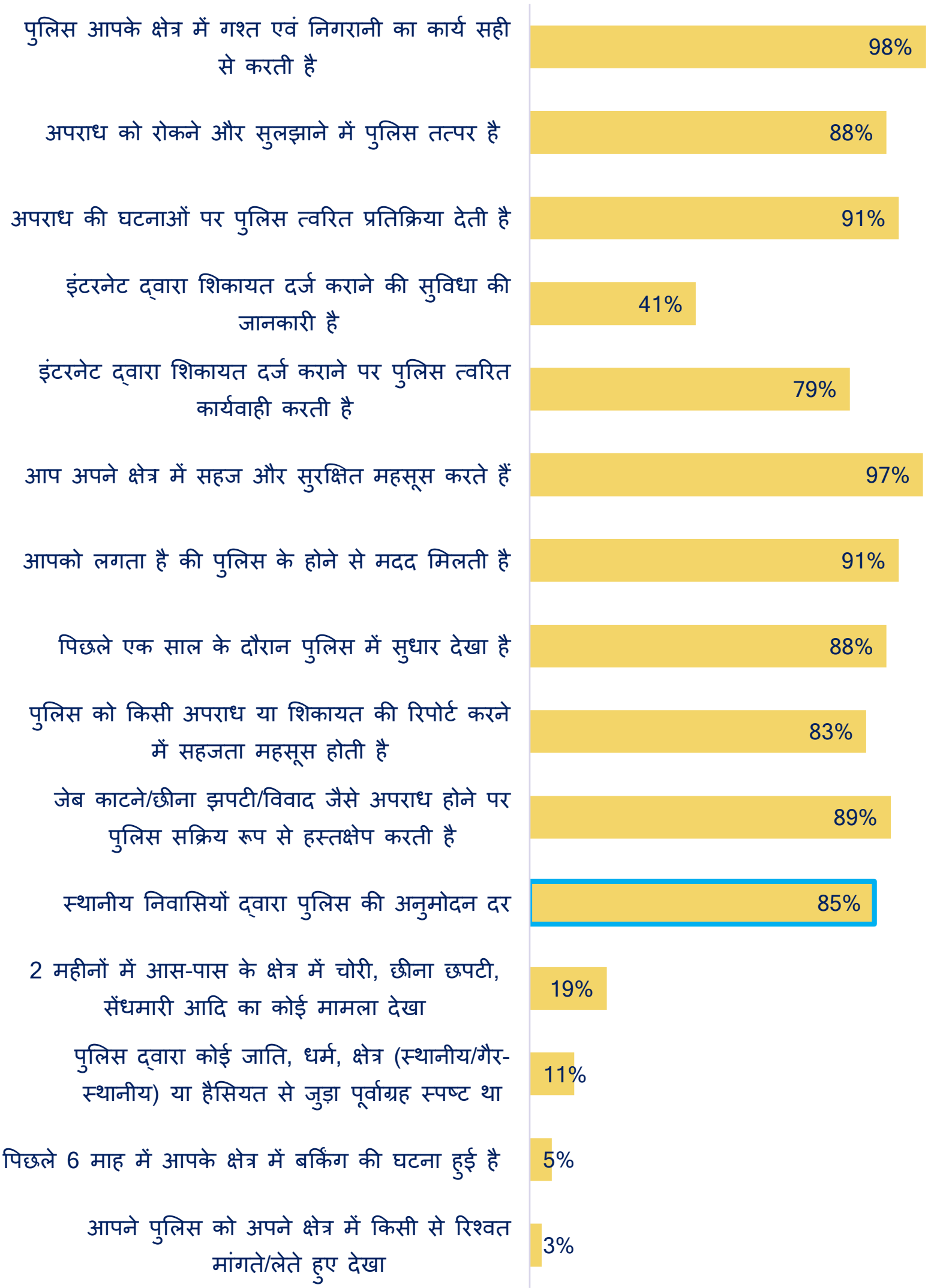

4. उत्कृष्ट पुलिस थानें 2022

1. अस्का, गंजम, ओडिशा
2. महिला थाना, अरवल, बिहार
3. बनबसा, चम्पावत, उत्तराखंड
4. बैंक मोड़, धनबाद, झारखण्ड
5. पहाड़गाँव, दक्षिण अंडमान, अंडमान एवं निकोबार
6. चोपना, बैतूल, मध्य प्रदेश
7. वारसीया, वडोदरा, गुजरात
8. भूपदेवपुर, रायगढ़, छत्तीसगढ़
9. महिला थाना, कोहिमा, नागालैंड
10. हिन्दुमलकोट, श्रीगंगानगर, राजस्थान

ASKA MODEL POLICE STATION

महिला थाना
अरवल
बिहार पुलिस भवन निर्माण निगम द्वारा निर्मित
अनुसूचितजाति जनजाति
थाना अरवल
बिहार पुलिस भवन निर्माण निगम द्वारा निर्मित

थाना-बनबसा

थाना चोपना
CHOPNA POLICE STATION
फोन नंबर 9479990359 जिला बैतूल (म.प्र.)

વારસીયા પોલીસ સ્ટેશન
વડોદરા શહેર

पुलिस थाना भूपदेवपुर जिला- रायगढ़ (छ.ग.)

NORTH POLICE STATIO

#1 अस्का, गंजम, ओडिशा

CCTNS

2012
2013
2021
2019
2018
2022
2020

MALE HAZAT
FEMALE HAZAT

#2 महिला थाना, अरवल, बिहार

LUDO
Snakes & Ladders
Mental Mathematics
BRAIN
BUSY
BRIGHT START

दिव्यांग
शौचालय

Vixen

स्वच्छ
भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

#3 बनबसा, चम्पावत, उत्तराखंड

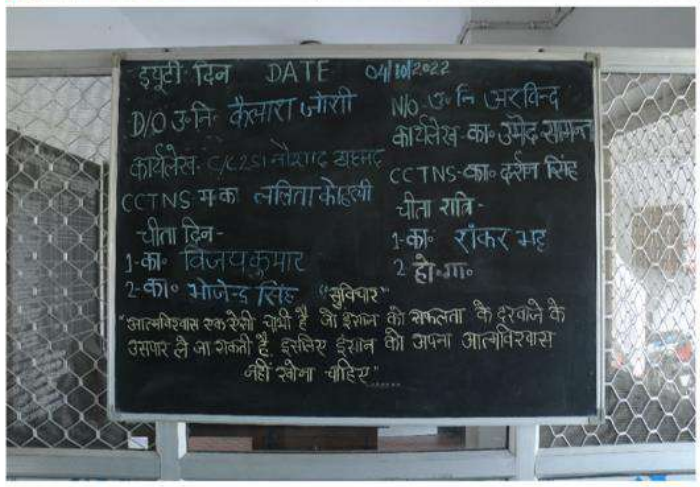

ड्यूटी दिन DATE 04/10/2022
D/O उ॰ नि॰ कैलाश जोशी
N/O उ॰ नि अरविन्द
कार्यलेख-का॰ उमेद सामन्त
CCTNS-का॰ दर्शन सिंह
CCTNS म॰ का ललिता कोहली
चीता रात्रि-
चीता दिन-
1-का॰ शंकर भट्ट
1-का॰ विजय कुमार
2-का॰ भोजेन्द्र सिंह
"सुविचार"
"आत्मविश्वास एक ऐसी चाभी है जो इंसान को सफलता के दरवाजे के उसपार ले जा सकती है, इसलिए इंसान को अपना आत्मविश्वास नहीं खोना चाहिए"

पुरुषबन्दी गृह

राज्यवार सर्वश्रेष्ठ पुलिस थानें

क्रं.	थाना का नाम	ज़िला	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र
1	पहाड़गाँव	दक्षिण अंडमान	अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह
2	हनुमंतनिपाडू	प्रकाशम	आंध्र प्रदेश
3	भालुकपोंग	पश्चिम कमेंग	अरुणाचल प्रदेश
4	महिला थाना	गुवाहाटी	असम
5	महिला थाना	अरवल	बिहार
6	पश्चिम सेक्टर-11	चंडीगढ़	चंडीगढ़
7	भूपदेवपुर	रायगढ़	छत्तीसगढ
8	डी.बी.जी. मार्ग	केंद्रीय ज़िला	दिल्ली
9	सिलवासा	दादरा तथा नगर हवेली	दादरा तथा नगर हवेली और दमन एवं दीव
10	वेर्ना	दक्षिण गोवा	गोवा
11	वारसीया	वडोदरा	गुजरात
12	सदर थाना	सोनीपत	हरियाणा
13	ढल्ली	शिमला	हिमाचल प्रदेश
14	गंगयाल	जम्मू	जम्मू एवं कश्मीर
15	बैंक मोड़	धनबाद	झारखण्ड
16	निप्पानी ग्रामीण	बेलागवी	कर्नाटक
17	शोलायुर	पालक्काड	केरल
18	महिला थाना	लेह	लद्दाख़
19	अगाती	लक्षद्वीप	लक्षद्वीप
20	चोपना	बैतूल	मध्य प्रदेश
21	पुसेगांव	सतारा	महाराष्ट्र
22	इम्फाल	इम्फाल	मणिपुर
23	मव्लाई	खासी हिल्स ईस्ट	मेघालय
24	लुंगलेई	लुंगलेई	मिजोरम
25	महिला थाना	कोहिमा	नागालैण्ड
26	अस्का	गंजम	ओडिशा
27	नेरावी	कराईकल	पुडुचेरी
28	मूनक	संगरूर	पंजाब
29	हिन्दुमलकोट	श्रीगंगानगर	राजस्थान
30	सदर थाना	गंगटोक	सिक्किम
31	मुसिरी	तिरुचिरापल्ली	तमिलनाडु
32	डुंडीगल	रंगारेड्डी	तेलंगाना
33	मंडई	पश्चिम त्रिपुरा	त्रिपुरा
34	कोतवाली थाना	बरेली	उत्तर प्रदेश
35	बनबसा	चम्पावत	उत्तराखंड
36	बैरकपुर	उत्तर २४ परगना	पश्चिम बंगाल

अनुलग्नक

अनुलग्नक-1: राज्यवार चयनित पुलिस थानों की सूची

क्रं.	थाना का नाम	ज़िला	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र
1	पहाड़गाँव	दक्षिण अंडमान	अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह
2	तलामंचीपट्टनम	कद्दपाह	आंध्र प्रदेश
3	गोस्पाडू	कुरनूल	आंध्र प्रदेश
4	हनुमंतनिपाडू	प्रकाशम	आंध्र प्रदेश
5	भालुकपोंग	पश्चिम कमेंग	अरुणाचल प्रदेश
6	जैरामपुर	चांगलांग	अरुणाचल प्रदेश
7	नामरूप	डिब्रूगढ़	असम
8	महिला थाना	गुवाहाटी	असम
9	महिला थाना	दरभंगा	बिहार
10	महिला थाना	अरवल	बिहार
11	महिला थाना	औरंगाबाद	बिहार
12	पश्चिम सेक्टर-11	चंडीगढ़	चंडीगढ़
13	भूपदेवपुर	रायगढ़	छत्तीसगढ
14	अभनपुर	रायपुर	छत्तीसगढ
15	कमला बाज़ार	केंद्रीय ज़िला	दिल्ली
16	डी.बी.जी. मार्ग	केंद्रीय ज़िला	दिल्ली
17	सिलवासा	दादरा तथा नगर हवेली	दादरा तथा नगर हवेली और दमन एवं दीव
18	मैना कर्टोरिम	दक्षिण गोवा	गोवा
19	वेर्ना	दक्षिण गोवा	गोवा
20	सचीन	सूरत	गुजरात
21	वारसीया	वडोदरा	गुजरात
22	कसोला	रेवाड़ी	हरियाणा
23	सदर थाना	सोनीपत	हरियाणा
24	ढल्ली	शिमला	हिमाचल प्रदेश
25	सदर थाना	उना	हिमाचल प्रदेश
26	गंगयाल	जम्मू	जम्मू एवं कश्मीर
27	बैंक मोड़	धनबाद	झारखण्ड
28	नगर उंटारी	गढ़वा	झारखण्ड
29	निप्पानी ग्रामीण	बेलागवी	कर्नाटक
30	किट्टुर	बेलागवी	कर्नाटक
31	अरेहल्ली	हासन	कर्नाटक
32	मिनाक्षीपुरम	पालक्काड	केरल
33	शोलायुर	पालक्काड	केरल
34	महिला थाना	लेह	लद्दाख़
35	अगाती	लक्षद्वीप	लक्षद्वीप

क्रं.	थाना का नाम	ज़िला	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र
36	रानीपुर	बैतूल	मध्य प्रदेश
37	चोपना	बैतूल	मध्य प्रदेश
38	रामपुर गुर्रा	नर्मदापुरम	मध्य प्रदेश
39	पुसेगांव	सतारा	महाराष्ट्र
40	गोंडी	जालना	महाराष्ट्र
41	कुण्डाल	सांगली	महाराष्ट्र
42	इम्फाल	इम्फाल	मणिपुर
43	थौबाल	थौबाल	मणिपुर
44	मव्लाई	खासी हिल्स ईस्ट	मेघालय
45	लुम्दिएंग्यिरी	खासी हिल्स ईस्ट	मेघालय
46	लंग्सेन	लुंगलेई	मिजोरम
47	लुंगलेई	लुंगलेई	मिजोरम
48	महिला थाना	कोहिमा	नागालैण्ड
49	कोहिमा दक्षिण	कोहिमा	नागालैण्ड
50	अस्का	गंजम	ओडिशा
51	बनरपाल	अंगुल	ओडिशा
52	नेरावी	कराईकल	पुडुचेरी
53	मूनक	संगरूर	पंजाब
54	बालाचुर शहर	शहीद भगत सिंह नगर	पंजाब
55	महाजन	बीकानेर	राजस्थान
56	हिन्दुमलकोट	श्रीगंगानगर	राजस्थान
57	मोटी डूंगरी	जयपुर	राजस्थान
58	सिंगटम	गंगटोक	सिक्किम
59	सदर थाना	गंगटोक	सिक्किम
60	वैयामपट्टी	तिरुचिरापल्ली	तमिलनाडु
61	मुसिरी	तिरुचिरापल्ली	तमिलनाडु
62	महिला थाना	मदुरई शहर	तमिलनाडु
63	मेडीपल्ली	रचकोंडा	तेलंगाना
64	डुंडीगल	रंगारेड्डी	तेलंगाना
65	टेकूमटला	जयाशंकर	तेलंगाना
66	मंडई	पश्चिम त्रिपुरा	त्रिपुरा
67	राधापुर	पश्चिम त्रिपुरा	त्रिपुरा
68	अमरोहा शहर	अमरोहा	उत्तर प्रदेश
69	कोतवाली थाना	बरेली	उत्तर प्रदेश
70	बिथरी चैनपुर	बरेली	उत्तर प्रदेश
71	कोतवाली हरिद्वार	हरिद्वार	उत्तराखंड
72	बनबसा	चम्पावत	उत्तराखंड
73	बरबानी	आसनसोल	पश्चिम बंगाल
74	बैरकपुर	उत्तर 24 परगना	पश्चिम बंगाल

अनुलग्नक -2: पुलिस स्टेशन का बुनियादी ढांचा और नागरिकों में सहजता के लिए प्रश्नावली

अनुभाग	उपधारा	प्रश्न
अतिरिक्त सुविधाएं	सुविधाएं	विकलांग अनुकूल सुविधाएं- क्या विकलांग व्यक्तियों के लिए कोई रैंप उपलब्ध है?
		पावर बैकअप- क्या पुलिस स्टेशन में पावर बैक अप सिस्टम है?
	उपयुक्तता	क्या पुलिस स्टेशन में मनोरंजक गतिविधियों/खेल के मैदान/जिम के लिए सुविधा है?
	पैंट्री	पेयजल सुविधाएं- क्या कर्मचारियों और आगंतुक के लिए पीने का पानी उपलब्ध है?
		पेयजल सुविधाएं- क्या आर.ओ. / डिस्पेंसर का रखरखाव प्रयाप्त ढंग से हो रहा है?
		चाय/कॉफी सुविधाएं- क्या चाय/कॉफी की सुविधाएं/पेंट्री सेवाएं उपलब्ध हैं?
पुलिस कर्मचारियों की सुगम्यता और व्यवहार		क्या सभी पुलिसकर्मी ड्रेस कोड के अनुसार पूरी वर्दी पहने हुए हैं?
		क्या पुलिस वाले जनता के प्रति सजग हैं?
		क्या पुलिसकर्मी शिकायतकर्ताओं के साथ आदर एवं विनम्र भाव से पेश आ रहे हैं?
बैरक	बैरक की स्वच्छता और सुविधाएं	क्या थाने में बैरक उपलब्ध हैं?
		क्या बैरक में बिस्तर साफ और अच्छी तरह से लगे हैं?
		क्या कमरे उचित प्रकाश व्यवस्था के साथ उपलब्ध हैं?
		क्या कमरे ठीक से हवादार हैं?
		क्या दीवारें और छत गन्दगी और नमी से मुक्त हैं?
		क्या बैरकों के लिए शौचालय उपलब्ध हैं?
		क्या कमरों में कूलर/एसी जैसी कूलिंग सुविधा उपलब्ध है?
		क्या फर्श साफ रखा गया है?
		क्या मच्छर भगाने वाले यंत्र कमरे में उपलब्ध और कार्य कर रहें हैं?
		क्या बैरक समग्र रूप से अच्छा है?
	बैरक के शौचालय की सफाई	क्या मूत्रालय साफ हैं यानी दाग, कूड़ा या अन्य कचरा नहीं है?
		क्या दीवारें और छत गन्दगी और नमी से मुक्त हैं?
		क्या टॉयलेट सीट क्षेत्र साफ है यानी कोई दाग, कूड़ा या अन्य कचरा नहीं है?
		क्या शौचालयों में दुर्गंध आ रही है?
		क्या शौचालय में प्रवाही जल उपलब्ध है?
		क्या शौचालय हवादार है?
		क्या शौचालय में पर्याप्त रौशनी है?
		क्या वाशरूम में फ्लश है और क्या यह काम करता है?
		क्या कोई वॉश बेसिन क्षेत्र मौजूद है?
		क्या हाथ धोने के लिये साबुन उपलब्ध है?

अनुभाग	उपधारा	प्रश्न
परिसर क्षेत्र का बुनियादी ढांचा और सफाई	परिसर क्षेत्र की सफाई	क्या परिसर क्षेत्र में कूड़ेदान रखे गए हैं?
		क्या कूड़ेदान ऊपर तक भरा दिख रहा है?
		क्या गीले कचरे और सूखे कचरे के लिए अलग-अलग कूड़ेदान उपलब्ध है?
		क्या प्रवेश द्वार पर आपातकालीन संपर्क नंबर प्रदर्शित है?
		चारदीवारी की सुरक्षा संबंधी स्थिति कैसी है?
		क्या थाना परिसर क्षेत्र साफ है?
		क्या थाने का नाम बाहर से दिखता है
		क्या परिसर छेत्र में जमा हुआ पानी देखा है?
		गंध- क्या आसपास कोई दुर्गंध मौजूद है?
		खुली नालियाँ- क्या परिसर क्षेत्र में कोई खुली नालियाँ है?
		आगंतुकों के लिए पार्किंग- थाने में पार्किंग की क्या स्थिति है
पुलिस स्टेशन का बुनियादी ढांचा (अंदर)	पुलिस स्टेशन के अंदर साफ-सफाई	साफ-सफाई- क्या थाने में कूड़ा-करकट, सिगरेट, रैपर, धूल आदि कूड़ा-करकट है?
		स्वच्छता- क्या आप फर्श, खंभों या दीवारों पर पान, गुटखा या पक्षी के बीट देख सकते है?
		कूड़ेदान- क्या थाना भवन के भीतर में कूड़ेदान रखे गए है?
		थाने का पूरा माहौल कैसा है?
		गंध-क्या आपको कोई दुर्गंध महसूस हो रही है?
		स्वच्छ भारत अभियान गतिविधियाँ- क्या स्वच्छ भारत का होर्डिंग है जिसमें कूड़ा-करकट रोकने और खुले में पेशाब करने/खुले में शौच करने से चेतावनी दी गई है?
		दीवारें- क्या इमारत की दीवारें साफ और अच्छी तरह रंगी हुई थीं?
	पुलिस स्टेशन के अंदर सुविधाएं	क्या पुलिस कर्मचारियों के लिए कुर्सी/डेस्क उपलब्ध है?
		क्या जांच अधिकारियों के लिए अलग कमरे उपलब्ध हैं?
		क्या पुलिस स्टेशन में अतिरिक्त सुविधाएँ जैसे बाल कक्ष, दीवारों पर चित्र, विशेष पहल जैसे सार्वजनिक पुस्तकालय, सार्वजनिक व्यायामशाला आदि मौजूद है?
		क्या थाने में अलग सम्मेलन कक्ष है?
		क्या पुलिस थाने में अलग संदिग्ध/गवाह तहकीकात कक्ष है?
		क्या पुलिस स्टेशन में अलग वायरलेस और संचार कक्ष है?
		क्या कमरे में फाइलों और केस फाइलों के लिए भंडारण पेटिका है?
		क्या कमरे में पर्याप्त कूलिंग/हीटिंग की सुविधा उपलब्ध है?
		क्या मालखाना/शस्त्रागार उपलब्ध है और तालाबंद है?
		क्या फर्नीचर अच्छी स्थिति में है?
		क्या आम जनता के लिए कोई निर्दिष्ट प्रतीक्षालय उपलब्ध है?
		क्या प्रतीक्षालय में बैठने की व्यवस्था उपलब्ध है?
		महिला हेल्प डेस्क- क्या थाने में अलग से महिला हेल्प डेस्क है?

अनुभाग	उपधारा	प्रश्न
हवालात		दीवारों की स्थिति- क्या दीवारों पर अच्छी तरह से प्लास्टर और पेंट किया गया है?
		नमी - क्या दीवारें और छत बिना किसी रिसाव या नमी के हैं?
		क्या सीसीटीवी लॉक अप एरिया को कवर करता है?
		तल का विवरण-क्या फर्श को अच्छी तरह से बनाए रखा और प्लास्टर किया गया है?
		क्या पुरुष और महिला के लिए अलग लॉकअप उपलब्ध है?
		शौचालय: क्या लॉकअप में अभियुक्तों के लिए शौचालय उपलब्ध हैं?
		शौचालय - क्या शौचालय साफ हैं?
		अवांछित वस्तुएं- क्या लॉकअप का उपयोग बेकार सामग्री जैसे पुराने पंखे, टूटी कुर्सियों आदि के भंडारण के लिए किया जा रहा है?
रिकॉर्ड का रखरखाव		क्या अभिलेख एक बंद कैबिनेट में संग्रहीत हैं?
		क्या पुराने अभिलेख ऑनलाइन बनाए गए हैं?
		क्या रजिस्टर मज़बूत बाइंडिंग हैं?
		क्या रजिस्टरों को लेबल किया गया है?
		शिकायतों को कैसे लिया जाता है? (मौखिक, लिखित या दोनों तरह से)
		क्या इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध है?
मेस और कैंटीन क्षेत्र		क्या थाना में भोजनालय उपलब्ध है?
		क्या दीवारें और छत गन्दगी और नमी से मुक्त हैं?
		क्या कमरे में उचित वेंटिलेशन है?
		क्या कमरे में उचित प्रकाश व्यवस्था है?
		क्या मेस का फर्श साफ रखा गया है?
		क्या मेस में पंखा/ कूलर की सुविधा उपलब्ध है?
थाने की सुरक्षा	CCTV कैमरे	क्या CCTV कैमरे काम कर रहे हैं?
		कैमरों की कुल संख्या पूरे परिसर के लिए पर्याप्त है?
		क्या थाने के परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगे हैं?
		क्या थाने के अन्दर सीसीटीवी कैमरे हैं?
		क्या थाने के स्वागत क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरे हैं?
		डेटा बैकअप कितने समय के लिए मेंटेन किया जाता है?
		बैकअप कहाँ रखा जाता है?
	अग्नि सुरक्षा	क्या सभी तार और स्विच बोर्ड ठीक से ढके हुए, सुरक्षित हैं?
		क्या अग्निशामकों का समय-समय पर परीक्षण किया गया और वे काम कर रहे हैं?
		क्या पुलिस स्टेशन में फायर अलार्म है?
		क्या पुलिस स्टेशन में अग्नि सुरक्षा के अवसंरचना (रेत की बाल्टी, नली के पाइप, आदि) हैं?
		क्या थाने में अग्निशामक यंत्र है?
		क्या एकृत होने के लिए पुलिस थाने में जगह उपलब्ध और अच्छी तरह से प्रदर्शित है?

अनुभाग	उपधारा	प्रश्न
एसएचओ प्रश्नावली	खर्च	मांगपत्र देने के कितने महीने बाद एस.पी. ऑफिस से स्टेशनरी मिलता है?
		क्या थाने द्वारा अतिरिक्त स्टेशनरी के लिए अनुरोध करने का कोई प्रावधान है?
		क्या आपको मांगपत्र में दर्शाए गए सभी सामान मिलते हैं?
	वित्तीय स्वायत्तता	वित्तीय स्वायत्तता- क्या पुलिस स्टेशन में अग्रदाय खाता प्रणाली है?
	ईंधन	क्या आपको ईंधन आवश्यकता अनुसार प्राप्त होती है?
		ईंधन न होने के कारणवश थाना के वाहन कितने दिनों तक बेकार पड़े रहते हैं?
		मांगपत्र देने के कितने दिनों में आपको एसपी कार्यालय से फ्यूल कूपन/बजट प्राप्त होता है?
	मानव संसाधन	एचआर- कितने कर्मियों को बेसिक सीसीटीएनएस और बेसिक डेली ऑनलाइन रिपोर्ट में प्रशिक्षित किया गया है?
		एचआर- कितने कर्मियों को बुनियादी कंप्यूटर संचालन में प्रशिक्षित किया गया है?
		एचआर- महिला अपराध से संबंधित कानूनों में कितने कर्मियों को प्रशिक्षित किया गया है?
		एचआर- थाने में तैनात महिला कर्मचारियों की संख्या
		एचआर-पुलिस स्टेशन के लिए स्वीकृत महिला कर्मचारियों की संख्या
		एचआर- कितने कर्मियों को किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और सुरक्षा) प्रशिक्षण में प्रशिक्षित किया जाता है?
		नागरिक जागरूकता के लिए किए गए कार्यक्रमों की संख्या
		थाने में पदस्थापित पुरुष कर्मचारियों की संख्या
		थाने के लिए स्वीकृत पुरूष कर्मचारियों की संख्या
	आधारभूत संरचना	किसी भी एजेंसी द्वारा वर्ष में कितनी बार पेयजल सुविधा का निरीक्षण किया जाता है?
		मेस और बैरक- मेस में खाना कौन बनाता है?
		मेस और बैरक- बिस्तर, बक्सा आदि की सुविधा बैरक में कौन प्रदान करता है?
		चाय कॉफी सुविधा और सामग्री के लिए कौन भुगतान करता है?
	पिछले साल की घोषणा	क्या पिछले वर्ष हिरासत के दौरान किसी की मृत्यु हुई है?
		क्या पिछले वर्ष के दौरान पुलिस हिरासत से भागने का कोई मामला है?
		क्या पिछले वर्ष के दौरान किसी पुलिस अधिकारी के विरुद्ध कोई मामला दर्ज किया गया है?
		हिरासत में हुई मौतों की संख्या
		पिछले वर्ष के दौरान पीसी अधिनियम के तहत आरोपित पुलिस कर्मियों की संख्या
		पुलिस हिरासत से भगोड़े कैदियों की संख्या

अनुभाग	उपधारा	प्रशन
एसएचओ प्रश्नावली	वाहन	स्वीकृत चौपहिया वाहनों की संख्या
		कार्यशील चौपहिया वाहनों की संख्या
		स्वीकृत दुपहिया वाहनों की संख्या
		कार्यशील दोपहिया वाहनों की संख्या
		कितने वाहनों में जीपीएस टैग हैं?
		क्या जीपीएस टैग काम कर रहे हैं?
		RFID टैग कितने वाहनों में हैं?
		क्या RFID टैग काम कर रहे हैं?
	कानून और व्यवस्था की स्थिति	पिछले एक महीने में कानून और व्यवस्था की स्थिति की संख्या
		पिछले 24 घंटों में गिरफ्तारियां को क्या कोई बोर्ड प्रदर्शित कर रहा है।?
		क्या आपके स्टेशनों में ऑन कॉल शिकायत प्रणाली मौजूद है और काम कर रही है?
		कॉल सेंटर के माध्यम से कितनी शिकायतें दर्ज हुई?
		शिकायत के लिए किस तरह की कार्रवाई की गई है?
		क्या हिस्ट्रीशीटर के लिए कोई रिकॉर्ड रखा जाता है?
शौचालय और सफाई कर्मचारी	हाउसकीपिंग और कार्मिक स्वच्छता	क्या हाउसकीपिंग स्टाफ उपलब्ध है?
		क्या हाउसकीपिंग स्टाफ की उपस्थिति बनी रहती है?
		क्या हाउसकीपिंग स्टाफ वर्दी पहन रखा है?
		क्या हाउसकीपिंग स्टाफ सुरक्षात्मक गियर यानी दस्ताने और मास्क, जूते का उपयोग करते हैं?
		क्या कर्मचारियों के पास उपयुक्त सफाई उपकरण हैं अर्थात (झाड़ू, धूल की टोकरियाँ, पोछा, और बाल्टी)?
		क्या शौचालय के लिए हाउसकीपिंग स्टाफ नियुक्त है?
		क्या दैनिक सफाई जांच सूची उपलब्ध है?
		क्या हाउसकीपिंग स्टाफ के लिए जगह उपलब्ध है?
		क्या दीवारें और छत साफ हैं यानी कोई जाला, दाग आदि नहीं हैं?
		क्या शौचालय में तिलचट्टे या चूहे दिखाई दे रहे हैं?
		क्या थाने में शौचालय उपलब्ध हैं?
		क्या पुलिस थाने में पुरुष और महिला के लिए अलग-अलग शौचालय हैं?
		क्या शौचालय में प्रवाही जल उपलब्ध है?
शौचालय और सफाई कर्मचारी	हाउसकीपिंग और कार्मिक स्वच्छता	क्या साबुन से हाथ धोने की सुविधा उपलब्ध है?
		क्या वाशरूम में फ्लश काम कर रहा है?
		क्या टॉयलेट दाग, कूड़े या अन्य कचरे के बिना साफ है?
		क्या शौचालय हवादार है?
		क्या शौचालय अच्छी तरह से प्रकाशित है?
		क्या शौचालयों में दुर्गंध आती है?
		क्या वाश बेसिन क्षेत्र मौजूद है?
		शौचालय के फर्श की स्थिति कैसी है?
		वॉश बेसिन की हालत कैसी है?

अनुलग्नक -3: दुकानदारों, निवासियों और शिकायतकर्ताओं के लिए प्रश्नावली

उत्तरदाता श्रेणी	मुख्य सवाल
रिहायशी इलाकों के लोग	क्या पुलिस आपके क्षेत्र को निरंतर निगरानी में रखती है?
	क्या आपके क्षेत्र में अपराधों को रोकने एवं सुलझाने में पुलिस सक्रिय है?
	अपराध की सूचना मिलने के बाद आपके क्षेत्र में पुलिस के पहुंचने का प्रतिक्रिया समय क्या है?
	क्या आपके क्षेत्र में आपसे कभी रिश्वत की मांग की गई है? (राशि और नियमितता)
	क्या आपने कभी पुलिस से शिकायत दर्ज करने की कोशिश की है?
	क्या एफआईआर दर्ज करने के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म उपलब्ध है?
	ऑनलाइन शिकायतों का निवारण करने में पुलिस को कितना समय लगता है?
	पुलिस से संपर्क करने का सबसे आसान तरीका क्या है?
	क्या आप अपने क्षेत्र में सुरक्षित महसूस करते हैं?
	क्या आपको लगता है कि पुलिस लोगो की मदद करती है?
	क्या बातचीत के दौरान कोई जाति, धर्म, क्षेत्र (स्थानीय/गैर-स्थानीय) या स्थिति पूर्वाग्रह स्पष्ट था?
	पिछले एक साल में क्या आपको लगता है कि आपके क्षेत्र में पुलिस अधिक प्रभावशाली हो गई है?
	आप पुलिस को किसी अपराध या शिकायत की रिपोर्ट करने के लिए कितना सहज और आश्वस्त महसूस करते हैं?
	क्या आपने पिछले 2 महीनों में आस-पास के क्षेत्र में चोरी, छीना छपटी, सेंधमारी आदि का कोई मामला देखा है?
	पिछले 6 महीनों में क्या आपने किसी दुर्घटना के लिए पुलिस से संपर्क किया है?
	क्या जेब काटने/छीना छपटी/विवाद जैसे अपराध होने पर पुलिस सक्रिय रूप से हस्तक्षेप करती है?
	क्या आपने अपने क्षेत्र में बर्किंग गतिविधियों को देखा है? यदि हाँ, तो कब देखा?
	पुलिस थाने पर क्या आपको समग्र रूप से साफ़-सफाई दिखाई पड़ी?
	अपनी पिछली मुलाक़ात की तुलना में क्या आपने पुलिस संस्कृति या थाने पर व्यवस्था में कोई सुधार देखा है?
	पुलिस के साथ अपने समग्र अनुभव और उन सुझावों के बारे में बताएं जिन्हें आप साझा करना चाहते हैं

उत्तरदाता श्रेणी	मुख्य सवाल
बाज़ार में दुकानदार	क्या आपके क्षेत्र में पुलिस गश्त नियमित रूप से हो रही है?
	क्या आप अपने क्षेत्र के बीट कांस्टेबलों से अवगत हैं और क्या वे आपसे बातचीत करते हैं?
	क्या आपने कभी पुलिस में शिकायत दर्ज कराने की कोशिश की है?
	क्या एफआईआर दर्ज करने के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म उपलब्ध है?
	ऑनलाइन शिकायतों का निवारण करने में पुलिस को कितना समय लगता है?
	पुलिस से संपर्क करने का सबसे आसान तरीका क्या है?
	क्या आपके क्षेत्र में आपसे कभी रिश्वत की मांग की गई है? (राशि और नियमितता)
	आप अपने क्षेत्र में कितना सुरक्षित महसूस करते हैं?
	क्या आपको लगता है कि पुलिस लोगों की मदद करती है?
	क्या बातचीत के दौरान कोई जाति, धर्म, क्षेत्र (स्थानीय/गैर-स्थानीय) या हैसियत संबंधित भेदभाव प्रतीत हुआ था?
	क्या एक महिला/लड़की के रूप में आपके प्रति कोई लैंगिक भेदभाव दिखाया गया था?
	क्या आपने पिछले ६ महीनों में बाजार क्षेत्र में चोरी, छीना-छपटी, सेंधमारी आदि का कोई मामला देखा है?
	क्या बाजार में पुलिस भीड़ को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करती है?
	क्या बाजार में कोई अनधिकृत स्टॉल होने पर पुलिस कोई आवश्यक कार्रवाई करती है?

उत्तरदाता श्रेणी	मुख्य सवाल
जनता की प्रतिक्रिया- पुलिस थाने से लौट रहे लोग	क्या आप शिकायत/एफआईआर दर्ज कराने के लिए आए थे?
	क्या आप अपनी प्राथमिकी/शिकायत दर्ज करा पाये?
	शिकायत/एफआईआर दर्ज कराने की प्रक्रिया कितनी आसान या कठिन थी?
	क्या आपने आने से पहले इंटरनेट के माध्यम से शिकायत दर्ज करने का प्रयास किया था?
	अगर हाँ, तो क्या ऑनलाइन शिकायत पर कोई कार्रवाई की गई?
	ऑनलाइन शिकायत की सुनवाई करने में पुलिस को कितना समय लगा?
	क्या आपको प्राथमिकी/शिकायत की प्रति (पुष्टिकरण) मोबाइल/फोन/किसी अन्य के माध्यम से प्राप्त हुई है?
	क्या प्राथमिकी/शिकायत को कमज़ोर करने का पुलिस द्वारा कोई प्रयास किया गया था?
	क्या आपको शिकायत की प्रति दी गई थी?
	क्या पुलिसकर्मी ने नेम प्लेट लगा रखी थी?
	क्या पुलिस ने रिश्वत की कोई मांग की थी?
	महिला शिकायतकर्ता के मामले में क्या थाने में शिकायत में मदद करने के लिए कोई महिला पुलिसकर्मी थी?
	क्या एक महिला/लड़की के रूप में आपके प्रति कोई लैंगिक लिंग भेदभाव दिखाया गया था?
	क्या बातचीत के दौरान कोई जाति, धर्म, क्षेत्र (स्थानीय/बाहरी) या हैसियत पूर्वाग्रह स्पष्ट था?
	क्या पुलिस आपकी शिकायत पर ध्यान दे रही थी?
	क्या स्टाफ विनम्र और सम्मानजनक था?
	क्या पुलिस कर्मियों ने आपकी शिकायतों का समाधान करने का प्रयास किया है?
	क्या आपको थाने में पूरी सफाई अच्छी लगी?
	क्या आप अपने क्षेत्र में सुरक्षित महसूस करते हैं?
	क्या आपने अपने क्षेत्र में बर्किंग गतिविधियों को देखा है? यदि हाँ, तो कब देखा?
	अपनी पिछली मुलाक़ात की तुलना में क्या आपने पुलिस संस्कृति या थाने पर व्यवस्था में कोई सुधार देखा है?

आज़ादी का
अमृत महोत्सव

सत्यमेव जयते

भारत सरकार

गृह मंत्रालय